

भी खोजबीन जारी रही। दोपहर में तालाब की ओर गए ग्रामीणों ने झाड़ियों में उसका शव देखा और पुलिस की सूचना दी।

मुफ़सिलत थाना प्रभारी जगन्नाथ ठाणा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की जांच की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। हत्या के कारणों और आरोपियों की पहचान का पता लगाने के लिए पुलिस जांच कर रही है।

विनोद अपने परिवार का इकलौता बेटा था। पिता के अनुसार, दो बेटियों के बाद उसका जन्म हुआ था और वह खेतीबाड़ी में भी हाथ बंटाता था। परिजनों ने किसी से उसकी दुश्मनी होने की जानकारी से इनकार किया है। फिफ्हाल पुलिस को हत्या के पीछे की वजह का पता नहीं चल पाया है।

संक्षिप्त समाचार

जमशेदपुर में जुटेंगे देश-विदेश के औद्योगिक सुरक्षा विशेषज्ञ, 26-27 अक्टूबर को CII झारखंड सेफ्टी टॉक 2026 औद्योगिक दुर्घटनाओं की रोकथाम, आधुनिक तकनीक और जोखिम प्रबंधन पर होगा मंथन; 46 वक्ता और 36 कंपनियां प्रदर्शनी में लेंगी हिस्सा



जमशेदपुर बृजराज सिंह की रिपोर्ट। औद्योगिक सुरक्षा को मजबूत बनाने, कार्यस्थल पर दुर्घटनाओं की रोकथाम और आधुनिक तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 26 और 27 अक्टूबर को जमशेदपुर में CII झारखंड सेफ्टी टॉक 2026 का आयोजन किया जाएगा। भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) झारखंड की ओर से द क्लूज होटल में आयोजित होने वाले इस दो दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश के औद्योगिक प्रतिनिधि, सुरक्षा विशेषज्ञ, तकनीकी सेवा प्रदाता और विभिन्न उद्योगों के पेशेवर शामिल होंगे। रविवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में CII झारखंड चैप्टर के अध्यक्ष दिल्लू पारिख ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य औद्योगिक सुरक्षा को केवल नियमों के अनुपालन तक सीमित रखने के बजाय सक्रिय जोखिम प्रबंधन और दुर्घटनाओं की रोकथाम पर केंद्रित करना है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक संस्थानों में सुरक्षा के प्रति नेतृत्व की जवाबदेही, ठेका श्रमिकों की सुरक्षा तथा गंभीर चोरी और मृत्यु की घटनाओं को रोकने के उपायों पर विशेष चर्चा होगी। सम्मेलन में रियल टाइम मॉनिटरिंग, इंटेलिजेंट अलर्ट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित तकनीकों के माध्यम से औद्योगिक खतरों की समय रहते पहचान और रोकथाम पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। इसके अलावा ऊंचाई पर काम के दौरान सुरक्षा, गिरने से बचाव, खतरनाक ऊर्जा नियंत्रण, मानवीय व्यवहार, मानसिक स्वास्थ्य और कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया है। कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा को भी कार्यस्थल की सुरक्षा से जोड़ते हुए इस पर अलग से चर्चा होगी। साथ ही उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के बीच गोलमेज बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें वर्तमान सुरक्षा चुनौतियों, उनके व्यावहारिक समाधानों और भविष्य की रणनीतियों पर विचार किया जाएगा। CII झारखंड सेफ्टी टॉक 2026 में विभिन्न कंपनियों और औद्योगिक क्षेत्रों से कुल 46 वक्ता भाग लेंगे, जिनमें चार अंतरराष्ट्रीय वक्ता भी शामिल होंगे। वहीं, प्रदर्शनी में 36 कंपनियां 50 स्टॉल के माध्यम से औद्योगिक सुरक्षा से संबंधित उत्पादों, आधुनिक तकनीकों और नए समाधानों का प्रदर्शन करेंगी। सम्मेलन में सुरक्षा को कंपनी के शीर्ष प्रबंधन की रणनीति का हिस्सा बनाने, उच्च जोखिम वाले उद्योगों में सुरक्षा नेतृत्व विकसित करने, तकनीक के माध्यम से खतरों की पहचान और रोकथाम तथा खतरनाक ऊर्जा के सुरक्षित नियंत्रण जैसे विषयों पर विशेष जोर रहेगा। आयोजकों के अनुसार, यह सम्मेलन औद्योगिक क्षेत्र के पेशेवरों को अपने अनुभव साझा करने, नई सुरक्षा तकनीकों को समझने और कार्यस्थलों पर सुरक्षा मानकों को बेहतर बनाने के व्यावहारिक उपायों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करेगा।

सरकारी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश निर्माण कार्य रोकने पहुंचे ग्रामीण



सरायकेला : सरायकेला अंचल के रंगमाटिया गांव में सरकारी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की गई और अवैध तरीके से मकान निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिसका खाता संख्या 218 का प्लॉट नंबर 1003 है, इस जमीन को हड़प्पने के लिए भू-माफिया के द्वारा गलत तरीके से सूचीन महतो के नाम पर बंदोबस्ती कराई गई, जिस पर निर्माण कार्य चल रहा है। जिसको लेकर ग्रामीण आक्रोशित हैं ग्रामीणों के अनुसार जिस जमीन की फर्जी तरीके से बंदोबस्ती की गई है वह एक सरकारी जमीन है, और उस पर उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण होना है जिसका विधिवत उद्घाटन जिला परिषद अध्यक्ष श्री सोनाराम बोदरा के द्वारा किया जा चुका है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार निर्माण कार्य से जुड़े हुए व्यक्ति का नाम उमेश महतो उर्फ महेश महतो है जो टेंटापोसी हाईस्कूल के शिक्षक है और वह एक बड़े राजनीतिक दल से जुड़े हुए हैं, जिसके चलते उन्हें कानून और प्रशासनिक कार्रवाई की डर नहीं है। इसी प्रभाव के चलते निर्माण कार्य जारी है और गलत तरीके से जमीन की बंदोबस्ती कराया गया है। स्थानीय ग्रामीणों ने रविवार को चल रहे मकान निर्माण कार्य का विरोध किया और निर्माणशील मकान का तोड़फोड़ कर दिया और प्रशासन से निष्पक्ष जांच करने और जमीन की बंदोबस्ती को रद्द करने की मांग की है, और उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण कार्य को तेज करने की अपील की गई।

सीपीसी इंटर कॉलेज में 1600 मीटर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन, सांसद हुए शामिल



गोला। गोला प्रखंड अंतर्गत कामता स्थित सीपीसी इंटर कॉलेज में रविवार को 1600 मीटर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि गिरीडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी शामिल हुए। सांसद ने हरी झंडी दिखाकर प्रतियोगिता की शुरुआत की और पुरुष एवं महिला वर्ग के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि खेल का मैदान केवल प्रतियर्था का केंद्र नहीं, बल्कि अनुशासन, परिश्रम, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प की पाठशाला है। यहाँ उठाया गया हर कदम सफलता की ओर बढ़ने का संदेश देता है और हर प्रतिभागी का संघर्ष हमें अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। हमारे ग्रामीण क्षेत्रों के युवा अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर खेल जगत में नई पहचान स्थापित करने की क्षमता रखते हैं। आवश्यकता है उनकी प्रतिभा को उचित मंच देने, उनका मनोबल बढ़ाने और उनके सपनों को साकार करने के लिए निरंतर अवसर उपलब्ध कराने की। इसलिए हमारा प्रयास सदैव यही रहा है कि ग्रामीण स्तर पर नियमित खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हो, युवा खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण एवं आवश्यक संसाधन उपलब्ध हो और प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए उचित मंच मिले। मौके पर थाना प्रभारी अभिषेक कुमार,जिप सदस्य जलेश्वर महतो, धनेश्वर महतो, चंद्र महतो,प्राचार्य सीडी सिंह, सीडी सिंह, चंद्रशेखर कर्माली, लालदू चंद्र पोद्दार, रूपेश महथा, विशु रजवार, राहुल कुशवाहा, जय विजय, समीर आयुबी, रोमा कुमारी सहित कई लोग मौजूद थे।

बोकारो में विधि-व्यवस्था को लेकर प्रशासन सख्त, बिना अनुमति प्रदर्शन पर होगी कड़ी कार्रवाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के सुचारू संचालन, सामान्य आवागमन और जिले की विधि-व्यवस्था को पूरी तरह चाक-चौबंद रखने के लिए रविवार को उपायुक्त कार्यालय कक्ष में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पुलिस अधीक्षक नाथु सिंह मीणा, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल दांडा, एएसपी वेदांत शंकर, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, डीएसपी मुख्यालय पवन कुमार, डीएसपी सिटी राजीव रंजन और बीएसपी सिटी थाना प्रभारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान वर्तमान विधि-व्यवस्था की स्थिति की गहन समीक्षा करते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने, आम नागरिकों के लिए सामान्य आवागमन सुनिश्चित करने तथा संयंत्र के निर्बाध संचालन के लिए



बोकारो स्टील प्लांट के सभी गेट खुले, संयंत्र का संचालन सुचारू

सभी आवश्यक कदमों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बोकारो इस्पात संयंत्र के सभी गेट पूरी तरह खुले हुए हैं और संयंत्र का कामकाज सुचारू रूप से चल

रहा है। सुरक्षा और व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए सभी गेटों पर पर्याप्त पुलिस बल के साथ-साथ दंडाधिकारियों की भी विशेष प्रतिनियुक्ति की गई है। प्रतिनियुक्त किए गए ये पदाधिकारी लगातार यह निगरानी रख रहे हैं कि सभी गेट खुले रहें और संयंत्र के दैनिक संचालन तथा आवागमन में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए चेतावनी दी है कि किसी भी सार्वजनिक स्थल पर धरना-प्रदर्शन

अथवा विरोध-प्रदर्शन आयोजित करने से पहले सक्षम प्राधिकार से आधिकारिक अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य है। बिना पूर्व अनुमति के सार्वजनिक जगहों पर किसी भी तरह का धरना या प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ नियमों के तहत कड़ी विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा विधि-व्यवस्था, जनसुरक्षा और बीएसएल के सुचारू संचालन को बनाए रखने के लिए स्थिति पर लगातार कड़ी नजर रखी जा रही है।

+2 शिक्षक संघ के सचिव ने वरिष्ठ शिक्षक संतोष कुमार सिंह को किया सम्मानित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : झारखंड +2 शिक्षक संघ, बोकारो के सचिव डॉ. अवनीश कुमार झा ने अपने गोमिया भ्रमण के दौरान जिले के वरिष्ठ अंग्रेजी शिक्षक संतोष कुमार सिंह को उनके आवास पर अवैवस्त्र एवं लेखनी भेंटकर सम्मानित किया। श्री सिंह गोमिया +2 उच्च विद्यालय में अंग्रेजी विषय के वरीय स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षक के पद पर लंबी अवधि से कार्यरत रहकर अपनी निष्ठावान सेवाएं दे रहे हैं।

मुद्रुभाषी और सर्वगुणसंपन्न संतोष कुमार सिंह ने कोरोना महामारी के कठिन दौर में ऑनलाइन शिक्षण और ई-कंटेंट का निर्माण कर बोकारो समेत पूरे राज्य के विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने अंग्रेजी के साथ-साथ गणित और तार्किक क्षमता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी डिजिटल



सामग्री तैयार की। इसके अलावा, उन्होंने ऑनलाइन गुगल शीट के माध्यम से लाइव टेस्ट का सफल आयोजन किया, जिससे जिला और राज्य के हजारों विद्यार्थियों ने सीधा लाभ उठाया। उनके द्वारा तैयार किए गए अंग्रेजी विषय के ई-कंटेंट आज भी विद्यार्थियों के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो रहे हैं।

संघ के सचिव डॉ. अवनीश कुमार झा ने उनके इन प्रेरणादायक गुणों की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए उन्हें एक आदर्श शिक्षक करार

दिया। उन्होंने कहा कि जिले के सभी शिक्षकों को विद्यार्थियों के हित में लगातार सकारात्मक प्रयास करने की आवश्यकता है, ताकि बोकारो जिला संपूर्ण राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में प्रथम स्थान हासिल कर सके और अपने नूतन नवाचार एवं उत्कृष्ट शिक्षण कौशल से पूरे देश को नेतृत्व प्रदान कर सके। इस अवसर पर शशिकला सिंह, स्वर्णलता, समृद्धि सिंह, श्रेयसी सिंह, कृष्णानंद झा, श्रेयस कुमार सिंह और आर्या झा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बिहार और झारखंड के युवाओं ने भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में रचा इतिहास

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बिहार और झारखंड के युवाओं ने भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराते हुए एक नया इतिहास रच दिया है। फिल्म "जुम मेरे हो" ने रिलीज के साथ ही सिनेमा जगत में भूचाल ला दिया है और देश भर के विभिन्न पीवीआर तथा थिएटरों में यह फिल्म हाउसफुल चल रही है। इस बड़ी सफलता से बोकारो और चास क्षेत्र में अत्यधिक गौरव एवं हर्ष का माहौल है, क्योंकि इस बहुचर्चित फिल्म की निर्माता आरती सिंह हैं, जिसका गृह नगर बोकारो और चास रहा है। फिल्म की निर्माता आरती सिंह मूल रूप से बोकारो स्टील सिटी में जन्मी और उन्होंने यहीं इंटरमीडिएट तक की शिक्षा प्राप्त की। वर्तमान में वह चास नगर निगम के वार्ड संख्या 32 स्थित श्रीकृष्ण पुरी कॉलोनी में सपरिवार निवास करती हैं। उन्होंने एक बेहद प्रतिभाशाली और समर्पित टीम के साथ मिलकर इस उत्कृष्ट फिल्म का उद्धार पूरे देश को दिया है। आरती सिंह के पिता उमाशंकर प्रसाद सिंह उर्फ बोलबम एच.एस. सी.एल. बोकारो से सेवानिवृत्त



अभियंता रहे हैं, जबकि उनकी माता लाली सिन्हा एक गृहिणी के रूप में परिवार को संभालते हुए अपने चारों बच्चों का संस्कारयुक्त पालन-पोषण किया है। बेटी की इस ऐतिहासिक सफलता पर चास-बोकारो के अनेक सामाजिक संगठनों के गणमान्य लोगों ने कृष्णापुरी कॉलोनी स्थित उनके आवास पर पहुंचकर उनके पिता उमाशंकर प्रसाद सिंह और माता लाली सिन्हा को अपवस्त्र ओढ़ाकर तथा मिठाई खिलाकर भव्य अभिनंदन किया। अभिनंदन समारोह के दौरान

उमाशंकर प्रसाद सिंह ने कहा कि फिल्म के सभी कलाकार एक साधारण परिवार से संबंध रखते हैं। इन सभी ने अपनी खून-पसीने की कमाई का निवेश किया और फिल्म का निर्माण किया है, जिसमें बिहार और झारखंड के अधिकांश कलाकार अपनी कला का जलवा बिखेर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज हमें इस बात पर गर्व होता है कि एक छोटे से शहर से निकलकर समाज के युवा फिल्म इंडस्ट्री में अपनी कला और कौशल का शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। हम सभी को अपने बच्चों का

मनोबल बढ़ाने के लिए आगे आना चाहिए और अपने क्षेत्र के कलाकारों का उत्साहवर्धन करना चाहिए।

इस अभिनंदन कार्यक्रम में झारखंड पेशानर्स कल्याण समाज के बोकारो जिला अध्यक्ष बालकृष्ण मुरारी, सदस्य जितेंद्र प्रसाद सिंह, सुबोध सिंह, वार्ड 32 की पार्श्व संजु देवी, चास-बोकारो ट्रक ओनर एसोसिएशन के अध्यक्ष नारायण शर्मा, शैक्षणिक उन्नयन ट्रस्ट के बोकारो जिला संयोजक अभय कुमार मुन्ना, स्वामी सहजानंद सरस्वती सेवा समाज बोकारो के काशीनाथ राय, रामकुमार सिंह, सुनील सिंह, श्रीकृष्ण पांडेय, राजीव शर्मा, अरविंद राय और भूमिहार ब्राह्मण एकता मंच फाउंडेशन झारखंड के युवा प्रदेश अध्यक्ष समरेश चौधरी सहित कई अन्य प्रमुख लोग उपस्थित रहे। सभी ने आरती सिंह और उनकी पूरी टीम को फिल्म की अपार सफलता के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि यह फिल्म मुंबईया फिल्म इंडस्ट्री के बड़े-बड़े माफियाओं के दबाव से दूर रहकर सुदूर गांवों तक एक सशक्त सामाजिक संदेश पहुंचाने में पूरी तरह सफल होगी।

पेटरवार के धोबी टोला में दो ई-रिक्शा के चार्जर चोरी, 15 हजार का नुकसान



राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। पेटरवार थाना क्षेत्र के धोबी टोला में शनिवार देर रात अज्ञात चोरों ने दो ई-रिक्शा के चार्जर चोरी कर लिए। घटना में करीब 15 हजार रुपये के नुकसान की बात सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, धोबी टोला निवासी पंकज कुमार रजक अपने घर के समीप ई-रिक्शा चार्जिंग पर लगाकर सोने चले गए थे। रविवार सुबह उठकर देखा तो चार्जर गायब था। वहीं, उनके चचेरे भाई नीतीश कुमार के ई-रिक्शा से भी बंधवा टांड में कटर की मदद से तार काटकर चार्जर चोरी कर लिया गया। पंकज कुमार रजक ने बताया कि ई-रिक्शा उनके परिवार के जीवनयापन का एकमात्र साधन है। चार्जर चोरी होने से उन्हें आर्थिक नुकसान के साथ-साथ रोजगार प्रभावित होने की चिंता सता रही है।

पूर्व श्रम मंत्री के. एन. त्रिपाठी बने बोकारो स्टील वर्कर्स यूनियन के नए महामंत्री, प्रबंधन को दी कड़ी चेतावनी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के मेहनतकश कर्मचारियों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए झारखंड के पूर्व श्रम मंत्री के. एन. त्रिपाठी को सर्वसम्मति से बोकारो स्टील वर्कर्स यूनियन (इंटक) का नया महामंत्री चुन लिया गया है। यूनियन कार्यालय में आयोजित कार्यकारिणी की बैठक के दौरान यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

बैठक की शुरुआत यूनियन के अध्यक्ष कमल दुबे की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान पूर्व मंत्री श्री त्रिपाठी को महामंत्री पद पर आसीन किया जा रहा है। त्रिपाठी ने बोकारो प्रबंधन को स्पष्ट शब्दों में आगाह किया कि किसी भी परिस्थिति में प्रबंधन यूनियन के नाम पर गलत लोगों को प्रश्रय न दे और न ही औद्योगिक संबंध अधिकारियों द्वारा



कार्यक्रम का कुशल संचालन संयुक्त महामंत्री गोपाल ठाकुर ने किया। पदभार संभालने के बाद नवनियुचित महामंत्री के. एन. त्रिपाठी ने बोकारो प्रबंधन को स्पष्ट शब्दों में आगाह किया कि किसी भी परिस्थिति में प्रबंधन यूनियन के नाम पर गलत लोगों को प्रश्रय न दे और न ही औद्योगिक संबंध अधिकारियों द्वारा

बांधडीह मोड़ पर मोबाइल दुकान की दीवार तोड़कर चोरी, जांच में जुटी पुलिस



राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : सियालजोरी थाना क्षेत्र के बांधडीह मोड़ स्थित महेश मोबाइल दुकान में चोरों ने पीछे की दीवार तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर दुकान से मोबाइल फोन, सिम कार्ड और मोबाइल के अन्य पार्ट्स लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर श्याम

पैतंडी और सियालजोरी थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने चोरों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास करने की बात कही है। क्षेत्र में दुकान में चोरी की इस घटना से स्थानीय लोगों में चिंता है। पुलिस चोरी गए सामान की बरामदगी और आरोपियों की पहचान में जुटी है।

सदर अस्पताल में औचक निरीक्षण से मचा हड़कंप, प्रशिक्षु आईएसएस अरविंद राधाकृष्णन ने परखी स्वास्थ्य व्यवस्थाएं

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो के उपायुक्त अजय नाथ झा के सख्त निर्देशों के आलोक में रविवार को प्रशिक्षु आईएसएस अरविंद राधाकृष्णन ने सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस अचानक हुए निरीक्षण से अस्पताल प्रबंधन और कर्मियों में हड़कंप मच गया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, मरीजों के उपचार की गुणवत्ता और साफ-सफाई की व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के क्रम में आपातकालीन कक्ष में डॉक्टर रविंद्रनाथ अपनी ड्यूटी पर पूरी तरह मुस्तैद पाए गए। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, रविवार की सुबह तक आपातकालीन कक्ष में कुल 23 मरीजों का सफल उपचार किया जा चुका था। प्रशिक्षु आईएसएस ने



अस्पताल में जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता की भी गहन जांच की, जिसके तहत रेबीज रोधी टीका पूरी तरह उपलब्ध पाया गया। उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, बिस्तरों पर बिछी बेडशिट और परिसर की साफ-सफाई की स्थिति का निरीक्षण करते हुए मरीजों को बेहतर एवं सुगम स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों और नर्सों ने मरीजों के पंजीयन व पर्ची से जुड़ी प्रिंटर की समस्या से अवगत कराया। इस पर त्वरित

संज्ञान लेते हुए प्रशिक्षु आईएसएस ने संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द इस तकनीकी समस्या का समाधान करने और आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। जिला प्रशासन के इस तहक के औचक निरीक्षणों से स्पष्ट है कि सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों की कार्यप्रणाली को दुरुस्त करने और आम जनता को उच्च गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं।

श्री -श्री छठ पूजा समिति तोपा परियोजना की बैठक आयोजित



राष्ट्रीय मुख्यधारा

क्रुजू। तोपा परियोजना स्थित श्री -श्री छठ पूजा समिति की एक आवश्यक बैठक रविवार को एस बी आई शाखा के बगल के संकटमोचन हनुमान मंदिर में हुई। इसकी अध्यक्षता समिति अध्यक्ष शुभम कुमार सिंह व संचालन गुरन गंडू ने किया। बैठक में विशेष रूप से सुरेश्वर तिवारी, रामभजनलाल महतो व ज्योतेंद्र प्रसाद साहू उपस्थित हुए। इस दौरान विगत वर्ष के आय व्यय की प्रस्तुति पंकज महतो ने किया। साथ ही इस वर्ष भी छठ पूजा को लेकर घाट की सजावट, छठव्रतियों के आने जाने वाले रास्ते की सफाई, प्रकाश व्यवस्था समेत

अन्य मुद्दों पर गंभीरता पूर्वक चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित कई लोगों ने आयोजन को और बेहतर करने को लेकर सुझाव भी दिया। बाद में सभी लोगों ने पुरानी कमेटी के कार्य कलाप पर संतुष्टि प्रकट करते हुए पुनः बैठक कर कमेटी के पदाधिकारियों का चयन पर मुहर लगाने का निर्णय लिया। बैठक में रंजीत कुमार सिंह, ओमप्रकाश अग्रवाल, अरविंद कुमार सिंह, अभिषेक कुमार, सौरव कुमार सिंह, जितेंद्र मुंडा, शंकर मेहता, किशोर कुमारी, कैलाश कर्माली, विजय कुमार, आशीष कुमार, पिंटू कुमार, निर्मल गंडू, विक्की कुमार, सोनी कुमार, विकास कुमार, रंजीत सिंह समेत अन्य कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।





स्वदेशी चिप से मजबूत होगी भारत की अर्थव्यवस्था

भारत की आर्थिक ताकत अब केवल कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र की वृद्धि से तय नहीं होगी। आने वाले वर्षों में यह भी महत्वपूर्ण होगा कि देश आधुनिक तकनीक का कितना विकास करता है और वैश्विक बाजार में उसकी कितनी हिस्सेदारी है। आईफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सेमीकंडक्टर चिपस इसी बदलाव के केंद्र में हैं। भारत यदि इस क्षेत्र में अपनी क्षमता बढ़ाता है, तो इसका लाभ केवल तकनीकी विकास तक सीमित नहीं रहेगा। इससे विदेशी मुद्रा की बचत, नए उद्योगों का विस्तार, रोजगार सृजन और निर्यात बढ़ाने के अवसर भी पैदा हो सकते हैं।

आज भारत मोबाइल फोन, कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और डिजिटल सेवाओं का विशाल बाजार है। इन उत्पादों में इस्तेमाल होने वाली चिप्स आधुनिक अर्थव्यवस्था की बुनियादी जरूरत बन चुकी हैं। जब इनके लिए दूसरे देशों पर निर्भरता अधिक होती है, तो भारत का पैसा विदेशों में जाता है और घरेलू उद्योग को आपूर्ति संबंधी जोखिमों का सामना करना पड़ता है। यदि देश में अधिक चिप्स का डिजाइन, निर्माण, परीक्षण और पैकेजिंग होने लगे, तो आयात पर निर्भरता घटाने का अवसर मिलेगा। इससे विदेशी मुद्रा बचाने में मदद मिल सकती है। हालांकि, वास्तविक बचत इस बात पर निर्भर करेगी कि देश में उत्पादन की लागत, गुणवत्ता और घरेलू मांग के मुकाबले आयात कितना प्रतिस्पर्धी है। इस क्षेत्र का सबसे बड़ा आर्थिक लाभ एक नए औद्योगिक तंत्र के विकास में है। सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए केवल चिप बनाने वाली फैक्टरी पर्याप्त नहीं होती। इसके साथ विशेष रसायन, उपकरण, सिलिकॉन वेफर, इलेक्ट्रॉनिक पुर्जे, परीक्षण प्रयोगशालाएं, पैकेजिंग इकाइयां और परिवहन सेवाएं भी चाहिए। इन जरूरतों को पूरा करने के लिए अनेक सहयोग्य उद्योग विकसित हो सकते हैं। इससे छोटे और मध्यम उद्यमों को कारोबार के नए अवसर मिलेंगे। यदि घरेलू कंपनियां इस आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनती हैं, तो तकनीक के साथ देश के भीतर पूंजी निवेश और औद्योगिक गतिविधियां भी बढ़ेंगी।

रोजगार के लिहाज से भी यह क्षेत्र महत्वपूर्ण है। चिप डिजाइन, सेमीकंडक्टर निर्माण, मशीन संचालन, गुणवत्ता परीक्षण और अनुसंधान के लिए प्रशिक्षित लोगों की जरूरत होती है। इसके अलावा निर्माण संयंत्रों, उपकरणों के रखरखाव, परिवहन और सहायक उद्योगों में भी रोजगार पैदा हो सकता है। यह केवल नौकरियों की संख्या का सवाल नहीं है, बल्कि उच्च कौशल वाले रोजगार और नई तकनीकी विशेषज्ञता विकसित करने का अवसर भी है। भारत के युवा इंजीनियरों और वैज्ञानिकों को यदि देश में ही उन्नत तकनीक पर काम करने के अवसर मिलते हैं, तो घरेलू उद्योग की क्षमता मजबूत होगी।

एआई के क्षेत्र में स्वदेशी कंप्यूटिंग क्षमता का आर्थिक महत्व और व्यापक है। भारतीय कंपनियों को यदि प्रतिस्पर्धी कीमत पर पर्याप्त कंप्यूटिंग संसाधन उपलब्ध हों, तो वे स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, बैंकिंग,

भाषा तकनीक और मनोरंजन के लिए नए उत्पाद विकसित कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, भारतीय भाषाओं में एआई सेवाएं, किसानों के लिए उपयोगी डिजिटल समाधान और छोटे कारोबारियों के लिए स्वचालित सॉफ्टवेयर तैयार किए जा सकते हैं। इससे घरेलू कंपनियों को नए ग्राहक मिलेंगे और वे विदेशों में भी अपनी सेवाएं बेच सकेंगे। इसी संदर्भ में सी-डैक द्वारा विकसित किया जा रहा स्वदेशी प्रोसेसर ‘ऊँ’ यानी AUM महत्वपूर्ण है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, यह 96-कोर हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग प्रोसेसर है, जिसे एआई, मशीन लर्निंग और वैज्ञानिक गणनाओं के लिए विकसित किया जा रहा है। यदि यह तकनीकी प्रदर्शन, ऊर्जा खपत, लागत और विश्वसनीयता के मामले में सफल होता है, तो भारतीय सर्वर और कंप्यूटिंग व्यवस्था को मजबूत करने में योगदान दे सकता है। इससे देश में विकसित एआई सेवाओं के लिए घरेलू तकनीकी आधार तैयार करने का अवसर मिलेगा। हालांकि, इसके आर्थिक लाभ का वास्तविक आकलन व्यावसायिक उपयोग, उत्पादन क्षमता और बाजार में प्रतिस्पर्धा के बाद ही किया जा सकेगा। निर्यात भारत के लिए एक और बड़ा अवसर है। दुनिया में डिजिटल सेवाओं और एआई आधारित उत्पादों की मांग बढ़ रही है। भारत के पास सॉफ्टवेयर विकास, डिजिटल सेवाओं और रचनात्मक सामग्री क्षेत्र में अनुभव है। यदि इस क्षमता को स्वदेशी चिप्स और कंप्यूटिंग संसाधनों का समर्थन मिलता है, तो भारतीय कंपनियां तकनीक आधारित उत्पादों और सेवाओं के वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकती हैं। इससे विदेशी मुद्रा अर्जित करने और भारत को केवल सॉफ्टवेयर सेवाओं तक सीमित न रखकर हाईवैल्यू तथा तकनीकी उत्पादों के क्षेत्र में भी आगे ले जाने का अवसर मिलेगा।

लेकिन आर्थिक लाभ अपने आप नहीं मिलेंगे। सेमीकंडक्टर उद्योग में भारी पूंजी निवेश, उन्नत मशीनों, स्थिर बिजली आपूर्ति, कुशल कर्मचारियों और लंबे शोध की जरूरत होती है। इसलिए सरकारी सहायता के साथ निजी निवेश, पारदर्शी नीतियां, प्रशिक्षित मानव संसाधन और उद्योगों के बीच सहयोग भी जरूरी है। केवल फैक्टरी स्थापित करना सफलता नहीं है; उसका प्रतिस्पर्धी लागत पर लगातार गुणवत्तापूर्ण उत्पादन करना अधिक महत्वपूर्ण है।

भारत को इस क्षेत्र में आगे बढ़ने का लाभ दो स्तरों पर मिल सकता है। पहला, देश की घरेलू उद्यमों के लिए भरोसेमंद तकनीक उपलब्ध होगी और आपूर्ति बाधित होने का जोखिम घटेगा। दूसरा, भारत वैश्विक बाजार में अपने उत्पाद बेचकर नए आर्थिक अवसर पैदा कर सकेगा। स्वदेशी चिप निर्माण का असली उद्देश्य यही होना चाहिए कि देश तकनीक का बड़ा उपभोक्ता बने रहने के बजाय उसके विकास, उत्पादन और निर्यात में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। इससे आर्थिक आत्मनिर्भरता को ठोस आधार मिल सकता है।

फर्जी डॉक्टरों के हाथों मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ अखिर कब तक

कांतिवाल मंडोत

गिरफ्तारी के बाद रिहाई नहीं कटोर कारंवाई और सजा से ही रूकेगा अवैध चिकित्सा का कारोबार

देश में चिकित्सा व्यवस्था का उद्देश्य लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करना और संकट के समय जीवन की रक्षा करना है, लेकिन जब इलाज करने वाला व्यक्ति ही फर्जी डिग्री और कागजी प्रमाणपत्रों के सहारे डॉक्टर बनकर बैठ जाए, तब आम आदमी की जिंदगी खतरे में पड़ जाती है। चिकित्सा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में योग्यता, अनुभव और वैधानिक पंजीकरण अनिवार्य हैं। इसके बावजूद देश के विभिन्न हिस्सों में बिना मान्य डिग्री और आवश्यक पंजीकरण के मरीजों का इलाज करने वाले लोग सक्रिय हैं। राजस्थान में विशेष अपराध शाखा की कारंवाई ने इस गंभीर समस्या की ओर एक बार फिर ध्यान आकर्षित किया है। सवाल यह है कि जब ऐसे लोग पकड़े जाते हैं, तब उनके विरुद्ध ऐसी प्रभावी कारंवाई क्यों नहीं होती, जिससे दूसरे लोग भी इस गैरकानूनी धंधे में उतरने से पहले सो बार सोचें।

राजस्थान में विशेष अभियान के दौरान सामने आए दो मामले चिकित्सा व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, जालौर जिले के रामवाड़ा क्षेत्र में रहने वाले नानंजी राम चौधरी ने कथित तौर पर फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्रों के आधार पर चिकित्सा संबंधी डिग्रियां हासिल कीं और पंजीकरण कवाकव अस्पताल चलाने लगा। आरोप है कि उसने आठवीं तक पढ़ाई करने के बावजूद स्वयं को चिकित्सक के रूप में स्थापित किया और मरीजों के ऑपरेशन तक करने लगा। इसी प्रकार सीकर जिले के निवासी बंकर यादव के बारे में सामने आया कि कजाकिस्तान से एमबीबीएस करने के बाद वह भारत में विशेषी चिकित्सा स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सका। इसके बाद उसने कथित रूप से फर्जी डिग्री और अंतालििका

का सहारा लेकर पंजीकरण प्राप्त किया। इन मामलों में आरोपों की अंतिम पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के तहत होगी, लेकिन इनसे चिकित्सा प्रमाणपत्रों के सत्यापन की व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं।

फर्जी डिग्री से अस्पताल चलाना व्यवस्था की बड़ी चूक: सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि कोई व्यक्ति फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर चिकित्सा क्षेत्र में प्रवेश कैसे कर लेता है। शैक्षणिक अंतालििका से लेकर विश्वविद्यालय की डिग्री और चिकित्सा परिषद के पंजीकरण तक अनेक स्तरों पर जांच की व्यवस्था होनी चाहिए। यदि कोई व्यक्ति इन सभी प्रक्रियाओं को पार करके मरीजों का इलाज करने लगता है, तो केवल आरोपी को गिरफ्तार करना फर्जी और आवश्यक पंजीकरण के मरीजों का इलाज करने वाले लोग सक्रिय हैं। यह भी पता लगाना आवश्यक है कि उसके दस्तावेजों का सत्यापन किसने किया, पंजीकरण किस आधार पर हुआ और अस्पताल का संचालन संबंधित अधिकारियों की निगरानी में कैसे चलता रहा। चिकित्सा के क्षेत्र में फर्जीवाड़ा सामान्य धोखाधड़ी से कहीं अधिक गंभीर है, क्योंकि इसका सीधा संबंध मनुष्य के जीवन और स्वास्थ्य से है। गलत निदान, अनुचित दवाएं, संक्रमण से बचाव के नियमों की अनदेखी और बिना पर्याप्त प्रशिक्षण के ऑपरेशन मरीज को गंभीर संकट में डाल सकते हैं। विशेषकर गर्भवती महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और आपाकालीन स्थिति में अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों के लिए ऐसे तथ्यांकित चिकित्सक जानलेवा साबित हो सकते हैं। मरीज डॉक्टर की डिग्री की जांच करने के बजाय उसके अनुभव और भरोसे पर विश्वास करता है। इसी विश्वास का दुरुपयोग करके अवैध चिकित्सा का कारोबार फलता-फूलता है। इस समस्या का एक कारण यह भी है कि छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त चिकित्सक, विशेषज्ञ अस्पताल और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं होने से लोगों को स्थानीय क्लीनिकों पर निर्भर रहना पड़ता है। इसका अर्थ यह नहीं कि बिना योग्यता इलाज करने वालों को छूट दी जाए। बल्कि सरकार

को ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के साथ अवैध चिकित्सा पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना चाहिए। प्रत्येक अस्पताल और क्लिनिक में चिकित्सक की योग्यता, पंजीकरण संख्या तथा संबंधित संस्थान की वैधानिक स्थिति की जांच आसान होनी चाहिए। आम नागरिक भी आधिकारिक चिकित्सा परिषद के माध्यम से चिकित्सक का पंजीकरण सत्यापित कर सकें, ऐसी व्यवस्था उपयोगी साबित हो सकती है।

कानून का डर जरूरी जवाबदेही और नियमित निगरानी भी: राजस्थान सहित देश के अन्य राज्यों में बिना वैध पंजीकरण चिकित्सा करने वालों के विरुद्ध कानूनी कारंवाई के प्रावधान हैं। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग अधिनियम, 2019 की धारा 34 के अंतर्गत राज्य या राष्ट्रीय चिकित्सा रजिस्टर में नाम दर्ज कराए बिना आधुनिक चिकित्सा का अभ्यास करने पर दंड का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त फर्जी दस्तावेज तैयार करने, उनका इस्तेमाल करने और धोखाधड़ी करने के मामलों में अपराध की प्रकृति तथा लागू कानूनी धाराओं के अनुसार अलग से कारंवाई हो सकती है। यदि इलाज के दौरान मरीज की मृत्यु या गंभीर नुकसान होता है, तो जिम्मेदारी निर्धारित करने के लिए मामले की परिस्थितियों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच आवश्यक है। दोष सिद्ध होने पर अस्पताल कानून के अनुसार सजा निर्धारित करती है।

लेकिन व्यावहारिक समस्या तब पैदा होती है, जब छापेमारी के दौरान किसी आरोपी को पकड़ने और मामला दर्ज करने के बाद कारंवाई की गति धीमी पड़ जाती है। यह धारणा बनना कि सुबह पकड़े गए व्यक्ति शाम तक घर लौट आएंगे और कुछ दिनों बाद फिर अपना काम शुरू कर देंगे, कानून पर प्रती जनता का विश्वास कमजोर करती है। हालांकि गिरफ्तारी के बाद जमानत मिलना अपने आप में अपराधमुक्त होना नहीं है और प्रत्येक आरोपी को कानूनी अधिकार प्राप्त हैं। फिर भी जमानत की प्रक्रिया और अपराध की

जांच के बीच ऐसा अंतर नहीं होना चाहिए कि फर्जी चिकित्सा का कारोबार बेरोकटोक चलता रहे। पुलिस को समयबद्ध जांच, प्रमाणपत्रों की फॉरेंसिक जांच और संबंधित संस्थानों से रिकॉर्ड जुटाने पर ध्यान देना चाहिए। स्वास्थ्य विभाग को अवैध क्लीनिकों की पहचान कर नियमानुसार कारंवाई करनी चाहिए तथा दोषियों के विरुद्ध न्यायालय में मजबूत साक्ष्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए। सरकार को जिला स्तर पर नियमित निरीक्षण, शिकायतों पर त्वरित कारंवाई और दोषसिद्ध मामलों की निगरानी की प्रभावी व्यवस्था बनानी चाहिए। अस्पतालों को अनुमति देने तथा चिकित्सकों का पंजीकरण करने वाली संस्थाओं की जवाबदेही भी तब होनी चाहिए। यदि किसी अधिकारी की मिलीभगत या गंभीर लापरवाही प्रमाणित होती है, तो उसके विरुद्ध भी नियमानुसार कारंवाई की जानी चाहिए। साथ ही नागरिकों को जागरूक करना होगा कि वे चिकित्सा संबंधी योग्यताओं और पंजीकरण की पुष्टि करें तथा संदिग्ध गतिविधियों की शिकायत स्वास्थ्य विभाग या संबंधित प्राधिकरण से करें।

चिकित्सा सेवा कोई ऐसा व्यवसाय नहीं है, जिसमें फर्जी कागजात के सहारे लोगों की जान जोखिम में डालकर मुनाफा कमाया जाए। यहां छोटी-सी लापरवाही भी किसी परिवार की खुशियां छीन सकती है। इसलिए कारंवाई का उद्देश्य केवल गिरफ्तारी दिखाना नहीं, बल्कि अवैध चिकित्सा को रोकना, पीड़ितों को न्याय दिलाना और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना होना चाहिए। कानूनसम्मत जांच, समयबद्ध सुनवाई और दोष सिद्ध होने पर उचित दंड ही इस समस्या का स्थायी समाधान बन सकते हैं। मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वालों के प्रति किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए, क्योंकि जनता के स्वास्थ्य की रक्षा करना शासन और प्रशासन की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में से एक है। (वर्षित पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

खेत में महिलाएं : किसान के रूप में पहचान कहाँ?

मिनिषा सिंह

खेतों में महिलाओं की मेहनत कम नहीं, लेकिन किसान के रूप में पहचान, जमीन पर अधिकार और फैसले लेने की आजादी के मामले में वे आज भी पीछे हैं।

15 अक्टूबर को महिला किसान दिवस मनाया गया। कृषि संस्थानों और संगठनों में कार्यक्रम हुए, महिलाओं के योगदान की खूब चर्चा हुई और उनके काम को पहचान देने की बात कही गई। लेकिन क्या इन कार्यक्रमों और आयोजनों से खेती-किसानी में जुटी महिलाओं की जिंदगी में कोई ठोस बदलाव आ पाता है? फसल की बुवाई से लेकर कटाई तक, पशुपालन से लेकर अनाज के भंडारण तक महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। इसके बावजूद अक्सर उन्हें किसान के बजाय किसान परिवार की मददगार के रूप में देखा जाता है। सवाल यह है कि खेतों में इतना योगदान देने के बावजूद महिलाओं को किसान के रूप में पह पहचान क्यों नहीं मिलती, जिसकी वे हकदार हैं?

ग्रामीण भारत में खेती महिलाओं के जीवन और आजीविका का बड़ा आधार है। वे खेतों में काम करती हैं, पशुओं की देखभाल करती हैं, खाद तैयार करती हैं और फसल कटने के बाद अनाज को संपालती हैं। कई जगह घर और खेती, दोनों की जिम्मेदारी उन्हीं के कंधों पर होती है। पुरुषों के रोजगार के लिए शहरों की ओर पलायन करने पर खेती

संभालने की जिम्मेदारी भी महिलाओं पर आ जाती है। लेकिन जिम्मेदारी बढ़ने का अर्थ हमेशा अधिकार बढ़ना नहीं होता। खेतों में उनका श्रम दिखाई देता है, पर जमीन, संसाधनों और कमाई पर उनका नियंत्रण उतना मजबूत नहीं है। महिला किसानों की स्थिति बदलने के लिए सरकारी योजनाओं में प्रशिक्षण, तकनीक और सामूहिक संगठनों पर जोर दिया जा रहा है। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (एटीएमए) के तहत वित्त वर्ष 2025-26 में 28 परसेंट 2026 तक 11.61 लाख से अधिक महिला किसानों को प्रशिक्षण दिया गया। वहीं, दस हजार किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की योजना के तहत एक मार्च 2026 तक 1,175 ऐसे संगठन पंजीकृत थे, जिनमें सभी सदस्य किसानों या महिलाओं के तहत 23.55 लाख महिला किसान पंजीकृत थीं। ये आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं को खेती से जुड़ी संस्थाओं और प्रशिक्षण से जोड़ने के प्रयास हो रहे हैं। लेकिन प्रशिक्षण के बाद उनकी आमदनी, बाजार तक पहुंच और खेती के फैसलों में भागीदारी कितनी बढ़ रही है, इसका आकलन भी जरूरी है।

महिला किसानों के योगदान को केवल आधुनिक तकनीक या उत्पादन के आंकड़ों से नहीं समझा जा सकता। उनका एक महत्वपूर्ण योगदान पारंपरिक और स्थानीय बीजों के संरक्षण में भी रहा है। पहले घरों में फसल कटने के बाद महिलाएं अच्छे और स्वस्थ बीज चुनकर अगली बुवाई के लिए अलग रखती थीं। बीजों को

सुरक्षित रखने, उनकी किस्म पहचानने और मौसम के हिसाब से उनका इस्तेमाल करने का ज्ञान पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ता था। यह घरेलू काम घर नहीं था, बल्कि खेती की निरंतरता और परिवार की खाद्य सुरक्षा से जुड़ा अनुभव था। महिलाएं जानती थीं कि किस फसल के बीज से बीज अगली बुवाई के लिए बेहतर रहेंगे और उन्हें किस तरह सुरक्षित रखा जाए। बदलती कृषि व्यवस्था और बाजार से खरीदे जाने वाले बीजों पर बढ़ती निर्भरता के बीच बीज सहेजने की यह परंपरा कमजोर पड़ रही है।

स्थानीय फसलों की कई किस्में खेती से बाहर होती जा रही हैं। इसका नुकसान केवल इतना नहीं है कि कुछ पुराने बीज लुप्त हो रहे हैं। स्थानीय बीजों के साथ उस क्षेत्र की मिट्टी, मौसम, खानेपान और खेती से जुड़ा अनुभव भी जुड़ा होता है। अलग-अलग किस्मों को बचाए रखना किसानों के विवेक से बढ़ता है। स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल बीजों की उपलब्धता खेती को बदलते मौसम के जोखिमों से निपटने में भी मदद कर सकती है। ऐसे में बीज संरक्षण को कुछ जागरूक महिलाओं या चुनिंदा गांवों की पहल मानकर नहीं छोड़ा जा सकता। जरूरत है कि हर गांव में महिला किसानों को घरों में बीज सहेजने और सामुदायिक बीज बैंक बनाने के लिए प्रेरित किया जाए। सरकार कृषि विज्ञान केंद्रों, कृषि विश्वविद्यालयों और स्थानीय महिला समूहों के सहयोग से उन्हें प्रशिक्षण,

बीजों के सुरक्षित भंडारण की सुविधा और आर्थिक सहायता दे सकती है। गांव की महिलाएं मिलकर स्थानीय बीजों की पहचान और उत्पाद दस्तावेजीकरण कर सकती हैं। बीजों का आपस में आदान-प्रदान हो और अगली बुवाई के लिए उनकी उपलब्धता बनी रहे, इसके लिए भी व्यवस्था की जा सकती है। इससे बीज संरक्षण किसी एक महिला का व्यक्तिगत प्रयास न रहकर पूरे गांव की साझा जिम्मेदारी बन सकेगा। इस दिशा में कुछ महिलाओं और समूहों ने उल्लेखनीय उदाहरण पेश किए हैं। महाराष्ट्र की रहीबाई सोमा पोपरे ने स्थानीय बीजों के संरक्षण के लिए काम किया है। ओडिशा की आदिवासी किसान रायमती घिउरिया ने मोटे अनाज और धान की पारंपरिक किस्मों को सहेजने तथा उनके प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नागालैंड के फेक जिले के चिजामी गांव में महिलाओं ने सामुदायिक बीज बैंक के जरिए स्थानीय फसलों की 200 से अधिक किस्मों को संरक्षित किया है। वर्ष 2025 में वहां संरक्षित धान की आठ पारंपरिक किस्में दीर्घकालीन संरक्षण के लिए राष्ट्रीय जिन बैंक भेजी गईं। इन उदाहरणों से स्पष्ट है कि महिलाओं के पारंपरिक ज्ञान को सामूहिक प्रयास और संस्थागत सहयोग मिले तो उसका दायरा बढ़ सकता है। विशेषकर आदिवासी महिलाओं के अनुभवों को इस चर्चा में जगह देना जरूरी है। जंगल, जमीन, मौसम और स्थानीय फसलों से उनका गहरा संबंध रहा है। उनके पास खेती

संसाधनों तक पहुंच और खेती से जुड़े फैसलों में भागीदारी भी मिलनी चाहिए। इसी तरह, महिलाओं को खेती का प्रशिक्षण देना तभी सार्थक होगा, जब वे अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त कर सकें। उन्हें भंडारण, संस्करण और बाजार तक सीधी पहुंच की सुविधा मिले। महिला किसान उत्पादक संगठनों और स्वयं सहायता समूहों को मजबूत करना इस दिशा में उपयोगी हो सकता है। लेकिन योजनाओं का लाभ जमीन से जुड़ाव की महिलाओं की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप बनाया जाना चाहिए। महिला किसानों के योगदान को सम्मान देने के लिए साल में एक दिन मनाया पर्याप्त नहीं है। उनके पारंपरिक ज्ञान को कृषि नीति का हिस्सा बनाना, स्थानीय बीजों को बचाने में उनकी भूमिका पहचानना और हर गांव में बीज संरक्षण की व्यवस्था विकसित करना भी उतना ही जरूरी है। खेती का भविष्य केवल अधिक उत्पादन पर निर्भर नहीं करता; वह बीजों की विविधता, स्थानीय ज्ञान और किसानों की आत्मनिर्भरता से भी जुड़ा है। महिलाओं ने पीढ़ियों से इस विरासत को संभाला है। अब जरूरत है कि सरकार और कृषि संस्थाएं इस जिम्मेदारी में उनका साथ दें। (यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जाति पर चोट इंसानियत का संदेश

कुमार कृष्ण

21 अक्टूबर को बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की जयंती पर उन्हें याद करना केवल उनके राजनीतिक योगदान और प्रशासनिक उपलब्धियों का स्मरण करना नहीं है। यह उनके विचारों को वर्तमान की कसौटी पर परखने का अवसर भी है। 26 नवंबर 1955 को मुंगेर के बासुदेवपुर स्थित नंद कुमार उच्च विद्यालय के शिलान्यास के अवसर पर दिया गया उनका भाषण इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जाति के आधार पर मनुष्य का वर्गीकरण करने और चुनावी राजनीति में सामाजिक पहचान के इस्तेमाल पर उनकी टिप्पणी आज भी भारतीय समाज और लोकतंत्र के सामने खड़े सवालों से जुड़ती है। स्वतंत्रता के बाद भारत एक नए सामाजिक-राजनीतिक ढाँचे

का निर्माण कर रहा था। संविधान लागू हो चुका था और समानता, स्वतंत्रता, न्याय तथा बंधुता को राष्ट्रजीवन के आदर्श के रूप में स्वीकार किया जा चुका था। लेकिन संवैधानिक घोषणा से सदियों पुरानी सामाजिक विषमताएँ समाप्त नहीं हो सकती थीं। जातिगत ऊँच-नीच, भेदभाव और जन्म के आधार पर व्यक्ति का मूल्यवजन समाज की गहरी चुनौतियाँ बनी हुई थीं। ऐसे संक्रमणकाल में मुंगेर के बासुदेवपुर में विद्यालय के शिलान्यास जैसे अवसर पर श्रीकृष्ण सिंह का जाति और मनुष्यता का प्रश्न उठाना शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन से जोड़ने वाला संदेश था। उन्होंने कहा था— “आदमी-आदमी का वर्गीकरण आदमी को आदमी जानकर किया जाना चाहिए, न कि उसकी जाति को जानकर।”

बाद रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन होता है। यह आयोजन केवल रामकथा का पुनर्पाठ नहीं, बल्कि समाज को यह याद दिलाने का अवसर भी है कि शक्ति और ज्ञान के बावजूद अहंकार मनुष्य की पतन की ओर ले जाता है। रामलीला के मंच पर प्रस्तुत प्रसंग पीढ़ियों तक नैतिक मूल्यों और लोक-संस्कृति को पहुंचाते हैं। मेलों में बच्चों की उमंग, कलाकारों की मेहनत और लोगों की सामूहिक भागीदारी इस पर्व को सामाजिक उत्सव का रूप देती है। लेकिन दशहरा का अर्थ केवल रावण के पुतले का दहन नहीं है। यदि रावण को जलाने की रस्म के बाद समाज में अहंकार, अन्याय, हिंसा, स्त्री-असमान और भेदभाव कायम रहते हैं, तो पर्व का नैतिक उद्देश्य अधूरा रह जाता है। आज के समय में दशहरा हमें अपने भीतर और अपने आसपास मौजूद बुराइयों के पहचानने की चुनौती देता है। दबावघार,

नफरत, सामाजिक असमानता और कमजोरों के अधिकारों की अनदेखी भी ऐसी बुराइयां हैं, जिनसे मुक्ति के बिना विजयादशमी का संदेश सार्थक नहीं हो सकता। बंगाल में दशहरा दुर्गापूजा के तस्वीर पेश करते हैं। गरबा की परंपरा में शक्ति की उपासना और जीवन की निरंतरता का भाव जुड़ा है। यहां त्योहार धार्मिक आस्था के साथ लोककला, संगीत और सामाजिक मेलजोल को भी बढ़ावा देता है। बदलते समय में गरबा के आयोजन बड़े सार्वजनिक कार्यक्रमों के अनुसार, मां दुर्गा अपने मायके आती हैं और कुछ दिनों बाद विदा होती हैं। इस भावभूमि में दुर्गापूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं रहती, बल्कि घर-परिवार, स्मृति, प्रेम और विरोध की अनुभूति से जुड़ जाती है। विशाल पंडाल, कलात्मक प्रतिमाएं, रोशनी, संगीत और सामूहिक भोजन इस आयोजन को जनजीवन का हिस्सा बनाते हैं। ओडिशा और असम में भी दुर्गापूजा की अपनी क्षेत्रीय विशेषताएं हैं।गुजरात में नवरात्र के दौरान गरबा

और डांडिया उत्सव का केंद्र बन जाते हैं। रा-बिरो परधान, पारंपरिक संगीत और गोल घेर में नृत्य सामूहिक उल्लास की तस्वीर पेश करते हैं। गरबा की परंपरा में शक्ति की उपासना और जीवन की निरंतरता का भाव जुड़ा है। यहां त्योहार धार्मिक आस्था के साथ लोककला, संगीत और सामाजिक मेलजोल को भी बढ़ावा देता है। बदलते समय में गरबा के आयोजन बड़े सार्वजनिक कार्यक्रमों के अनुसार, मां दुर्गा अपने मायके आती हैं और कुछ दिनों बाद विदा होती हैं। इस भावभूमि में दुर्गापूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं रहती, बल्कि घर-परिवार, स्मृति, प्रेम और विरोध की अनुभूति से जुड़ जाती है। विशाल पंडाल, कलात्मक प्रतिमाएं, रोशनी, संगीत और सामूहिक भोजन इस आयोजन को जनजीवन का हिस्सा बनाते हैं। ओडिशा और असम में भी दुर्गापूजा की अपनी क्षेत्रीय विशेषताएं हैं।गुजरात में नवरात्र के दौरान गरबा

विद्यारंभ कहा जाता है। इस परंपरा में एक महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश छिपा है—ज्ञान जीवन को बेहतर बनाने का साधन है और शिक्षा की शुरुआत शुभ संकल्प के साथ होनी चाहिए। आज जब शिक्षा में समान अवसर, डिजिटल विभाजन और सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता जैसे प्रश्न सामने हैं, तब यह परंपरा ज्ञान को सबकी पहुंच में लाने की जरूरत की याद दिलाती है। कर्नाटक के मैसूर का दशहरा अपनी भव्यता और ऐतिहासिक परंपरा के लिए प्रसिद्ध है। मैसूर राजपरिवार और विजयनगर की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा यह उत्सव देवी चामुंडेश्वरी की आराधना के साथ मनाया जाता है। जंबू सवारी इसकी प्रमुख विशेषता है, जिसमें सजे-सजे हाथियों के साथ शोभायात्रा निकाली जाती है। राजसी वैभव, लोककला, संगीत और पारंपरिक प्रदर्शन इसे विशिष्ट बनाते हैं। समय के साथ यह आयोजन सांस्कृतिक

पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था से भी जुड़ा है। हालांकि, ऐसे आयोजनों में परंपरा के संरक्षण के साथ पशु-कल्याण और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता भी जरूरी है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में दशहरा की परंपरा देश के अन्य हिस्सों से अलग है। यहां विजयादशमी के दिन उत्सव शुरू होता है और कई दिनों तक चलता है। भगवान रघुनाथ की शोभायात्रा तथा आसपास के क्षेत्रों से आने वाले देवी-देवताओं की भागीदारी इसकी खास पहचान है। स्थानीय समुदायों की धार्मिक-सांस्कृतिक परंपराएं इस आयोजन को जीवंत बनाती हैं। इसी तरह छत्तीसगढ़ के बस्तर का दशहरा भी अपनी विशिष्ट आदिवासी विशेषता के कारण उल्लेखनीय है। यह लगभग पचहतर दिनों तक चलने वाला आयोजन है, जिसमें मां दशैश्वरी, स्थानीय देवी-देवताओं और सामुदायिक रीति-रिवाजों का विविध महत्व है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णपुरी, चारस, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णन्दु पुष्पेश** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चारस, बोकारो में मुद्रित।

पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णपुरी, चारस, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।

संपादक: **Purnendu 'Pushpesh'**; प्रबंध संपादक: **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफ: **राजीव रंजन**। बिहार प्रभारी: **संतोष श्रीवास्तव**. Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com

*समाचार पत्र के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। * यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

नियम, 1968 के नियम 17 का उल्लेख करते हुए कहा कि आधिकारिक कृत्यों की अपेक्षा के संबंध में न्यायालय या प्रेस के माध्यम से प्रतिवाद करने के लिए सरकार की पूर्व स्वीकृति से जुड़े प्राधान्यों को स्पष्ट किया जाना चाहिए। सुधाकर सिंह ने मुख्यमंत्री सप्रष्ट चौधरी से पूछा कि क्या राज्य सरकार ने इस कानूनी कार्रवाई की अनुमति दी है। यदि अनुमति दी गई है, तो उसका आदेश और दायरा सांख्यिकीय नहीं जाना चाहिए। यदि अनुमति नहीं दी गई है, तो सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि एक वरिष्ठ अधिकारी के आधिकारिक कार्यों से जुड़े सवालों पर निजी कानूनी कार्रवाई किस आधार पर की जा रही है।

संक्षिप्त

समाचार

बच्चों को अच्छी शिक्षा देना जरूरी

लखनऊ, एजेंसी। बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के साथ उनका चरित्र निर्माण करना भी जरूरी है। इसमें अभिभावकों की भूमिका अहम होती है। यह बात बृहस्पतिवार को गोमतीनगर स्थित वारसिया गर्ल्स इंटर कॉलेज में आयोजित सेमिनार में मुख्य अतिथि ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने कही। सेमिनार का विषय ‘तालीम, किरदारसाजी और वालिदेन की जिम्मेदारियां’ था। विशिष्ट अतिथि हूमन असिस्टेंस फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. लुबना कमाल ने भी अपने विचार रखे। शायरा व कॉलेज की पूर्व छात्रा रूबीना अयाज ने अपनी शायरी से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत हंजला हुसैन की कुरआन पाक की तिलावत से हुई। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम और भाषण प्रस्तुत किए। मौलाना वसीम अहमद ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन इल्मा सिद्दीकी ने किया।

एकेटीयू के विद्यार्थी सीखेंगे

जापानी और जर्मन भाषा

लखनऊ, एजेंसी। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के छात्र अब तकनीकी शिक्षा के साथ जापानी और जर्मन भाषा भी सीखेंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज की ओर से शनिवार को कैंपस में ऑरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जर्मन और जापानी भाषा विशेषज्ञ रिजवान खान वारसी ने विद्यार्थियों को दोनों भाषाओं के सामान्य शब्दों और रोजमर्रा की बातचीत में इस्तेमाल होने वाले वाक्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम संयोजक डीन एकेडमिक्स डॉ. अनुज कुमार शर्मा ने कहा कि वैश्विक स्तर पर रोजगार के अवसर पाने के लिए विदेशी भाषाओं का ज्ञान भी जरूरी है। इन भाषाओं का ज्ञान रोजगार के नए रास्ते खोल सकता है। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. एवी उल्लास, डॉ. सौरभ मिश्रा और अनुराग नामदेव ने किया।

स्कूल में 95 बच्चे पंजीकृत, पढ़ते मिले सिर्फ सात

लखनऊ, एजेंसी। बेसिक शिक्षा विभाग की कड़ाई के बावजूद प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की लापरवाही और छात्रों की कम उपस्थिति के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। शनिवार को मोहनलालगंज के प्राथमिक विद्यालय अतरीली में दोपहर एक बजे बीएसए ने निरीक्षण किया। विद्यालय में 95 बच्चे पंजीकृत हैं जबकि मौके पर 24 बच्चे ही मिले। इसमें सात बच्चे ही कक्षा में पढ़ाई कर रहे थे। इस संबंध में बीएसए ने शिक्षकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। निरीक्षण में आठ में से कोई भी शिक्षक पढ़ाते हुए नहीं मिला। वहीं सहायक अध्यापक अभिषेक शुक्ला विद्यालय के गेट पर फोन पर बात करते हुए मिले। इसके अलावा विद्यालय परिसर में किसी भी दीवार पर निगुण तालिका भी चस्पा नहीं थी, जिससे पठन-पाठन और विभागीय कार्यों के प्रति भारी लापरवाही उजागर हुई है। प्रशिक्षण कार्यक्रम से गायब रहे प्रधानाध्यापक जांच में सामने आया कि विद्यालय के प्रधानाध्यापक दिग्विजय सिंह को बीआरसी मोहनलालगंज में आयोजित एफएएलएन प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लेना था। पता चला कि उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग नहीं लिया। वह विद्यालय भी निरीक्षण से दस मिनट पहले ही पहुंचे थे। बीएसए ने इस पर प्रधानाध्यापक से स्पष्टीकरण मांगा है। निरीक्षण में यह बात भी सामने आई कि विद्यालय में कक्षा-एक में केवल 12 बच्चों का नामांकन है। बीएसए ने स्कूल चलो अभियान का पूरा ब्योरा भी मांगा है। मिड डे मील (एमडीएम) में भी उपस्थिति से ज्यादा बच्चों का डाटा भरा जा रहा था। बीएसए ने इस मामले में भी प्रधानाध्यापक से पूरा डाटा मांगा है।

बिना लाइसेंस कुत्ता पालने पर चार लोगों से जुर्माना

लखनऊ, एजेंसी। नगर निगम की टीम ने शनिवार तड़के अलीगंज के सेक्टर-जे, एल और महानगर के आसपास पालतू कुत्तों के लाइसेंस जांच अभियान चलाया। बिना लाइसेंस कुत्ता पालने पर चार लोगों से जुर्माना वसूला गया, जबकि चार नए लाइसेंस बनाए गए। अभियान से नगर निगम को 24 हजार रुपये की आय हुई। पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वमा ने बताया कि लाइसेंस के लिए रेबीज टीकाकरण प्रमाणपत्र और निर्धारित उपविधियों के पालन संबंधी शपथपत्र जरूरी है। आवेदन नगर निगम की वेबसाइट या लालबाग स्थित पशु कल्याण अधिकारी कार्यालय में किया जा सकता है। सुविधा के लिए कई पशु चिकित्सालयों में भी लाइसेंस बनाए जा रहे हैं। किसी भी तरह की जानकारी के लिए लोग जयंत सिंह से 95 11156792 और अफसर अली से उनके नंबर 972 1095021 पर संपर्क कर सकते हैं।

पांच किमी चलकर एयर शो देखने पहुंची 16 महिलाएं, बोलीं- विमान देखना है



वाराणसी, एजेंसी। घर की चारदीवारी और रोजमर्रा की जिम्मेदारियों के बीच जindगी गुजर जाती है। बड़े शहरों में होने वाले आयोजन और आसमान में उड़ते लड़ाकू विमानों को देखने का मौका मिलेगा, ऐसा कभी सोचा भी नहीं था। लेकिन शनिवार को दुलहीपुर की 16 मुस्लिम महिलाओं ने इस सोच को पीछे छोड़ दिया। एयर शो देखने की चाह उन्हें घर से पांच किलोमीटर दूर गंगा

किनारे बहादुरपुर घाट तक खींच लाई। सुबह सात बजे घर से निकलीं और साढ़े आठ बजे घाट पहुंच गईं। डेढ़ घंटे में रास्ते की दूरी और पैदल चलने की थकान पर उत्साह भारी रहा। आसमान में लड़ाकू विमानों की गर्जना सुनने और उनकी एक झलक पाने की खुशी उनके चेहरों पर साफ दिखाई दी। महिलाओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल से बनारस में एयर शो का आयोजन हुआ, तभी उन्हें

पहली बार इतने करीब से लड़ाकू विमान देखने का अवसर मिला। उनका कहना था कि अगर यह आयोजन यहां नहीं होता तो शायद जिंदगी गुजर जाती और वे ऐसे विमानों को सामने से उड़ते कभी नहीं देख पातीं। उनके लिए यह केवल एक हवाई प्रदर्शन नहीं, बल्कि घर से बाहर निकलकर एक ऐसा अनुभव हासिल करने का मौका था, जिसकी उन्होंने पहले कल्पना भी नहीं की थी।

छत से रिहर्सल देखी, अब सामने उड़ते विमान देखने पहुंचीं

दुलहीपुर की शबाना ने बताया कि वह पिछले दो दिनों से घर की छत से एयर शो की रिहर्सल और पहले दिन का प्रदर्शन देख रही थीं। आसमान में विमानों की आवाज सुनाई देती तो वह छत पर पहुंच जाती थीं। लेकिन दूर से दिखाई देने वाले विमानों को देखने की उत्सुकता उन्हें शनिवार को गंगा किनारे ले आई। इस बार वह परिवार की अन्य महिलाओं के साथ पहुंचीं, ताकि एयर शो का नजारा

और करीब से देख सकें।

साजिया ने कहा कि बनारस में फाइटर प्लेन देखने का मौका मिलना उनके लिए खास है। उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि अपने आसपास ही लड़ाकू विमानों की उड़ान देखने का अवसर मिल जाएगा। उनके लिए यह अनुभव इसलिए भी यादगार है कि इसके लिए किसी दूसरे शहर जाने की जरूरत नहीं पड़ी। हम तो घर में ही रहते हैं, पहली बार देखे ऐसे

विमान :रुबिका ने कहा कि उन्होंने पहले कभी इस तरह के लड़ाकू विमान नहीं देखे थे। ज्यादातर समय घर में ही बीतता है। ऐसे में एयर शो देखने का मौका मिलना उनके लिए किसी सपने के पूरा होने जैसा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण बनारस में ऐसा आयोजन संभव हो पाया और उन्हें भी पहली बार यह नजारा देखने का अवसर मिला।

दुलहीपुर की ही आयशा ने अपनी बात रखते हुए कहा कि महिलाओं को घर से बाहर निकलने का मौका बहुत कम मिलता है। उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि बंगलुरु और दूसरे बड़े शहरों में होने वाले ऐसे आयोजन को वह अपने इलाके में देख सकेंगी। एयर शो ने उन्हें यह अवसर दिया कि वे भी परिवार के साथ घर से निकलकर इस रोमांच का हिस्सा बनें।

आगरा आएंगे नितिन नवीन, पुराने कार्यकर्ताओं संग बनाएंगे रणनीति

आगरा, एजेंसी। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की सुगन्धुगाहट के बीच जीत की राह आसान करने के लिए भाजपा ने पूर्व जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं से संवाद शुरू किया है। पिछले महीने में पार्टी के प्रदेश स्तर के नेताओं ने मथुरा में पूर्व पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों संग बैठक की थी। अब पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी इसी को आगे बढ़ाने जा रहे हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का 2 व 3 नवंबर को आगरा का दौरा प्रस्तावित है। इस दौरान छह श्रेणी में उनके कार्यक्रम आयोजित होंगे जिनमें पुराने कार्यकर्ताओं से संवाद प्रमुख होगा। पार्टी ने शीर्ष नेतृत्व से मिले अनीपचारिक निर्देश के बाद कदमताल शुरू कर दी है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि विधानसभा चुनावों के लिए सांगठनिक ढांचे को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा फूंकने के लिए व्यापक रणनीति के तहत यह दौरा

होने जा रहा है। इस महत्वपूर्ण दौरे के दौरान वे आगरा और अलीगढ़ संभाग के वरिष्ठ पदाधिकारियों, सांसदों, विधायकों और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ मैराथन बैठकें करेंगे। जिलाध्यक्ष प्रशांत पौनिया ने बताया कि फिलहाल तैयारी करने के लिए कहा गया है। आधिकारिक तौर पर सूचना प्राप्त होने पर जागरूकी दी जाएगी।

आगरा-अलीगढ़ के नेताओं संग करेंगे संभावित दौरे के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष आगरा और अलीगढ़ संभाग की अलग-अलग कोर कमेटियों, जिला प्रभारियों, जिलाध्यक्षों और मोर्चा प्रमुखों संग संवाद करेंगे। इस दौरान विगत चुनावों के प्रदर्शन का विश्लेषण करने के साथ-साथ भावी रणनीतियों पर मुहर लगाई जाएगी। कार्यक्रम की तैयारियों के लिए स्थानीय स्तर पर बैठकों का दौरा शुरू हो चुका है।

सेवा और पर्यावरण का दिया संदेश

लखनऊ, एजेंसी। इनरव्हील वलब ऑफ लखनऊ की ओर से शनिवार को सेवा कार्यों और सामाजिक सरोकार से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की गईं। डिस्ट्रिक्ट चैयरमैन मधु कमानी भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम में फिट गर्ल्स परियोजना के अंतर्गत योगा मैट और फिट तथा स्तनपान कराते वाली मां के लिए कैंपसरी चेंयर उपलब्ध कराने की पहल की गई। पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए आईएसओ पल्लवी के संयोजन में इको फंडली ज्वैलरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें एनजीओ नवजीवन के बच्चों की बनाई दीपावली की वस्तुओं का स्टॉल लगाकर उनकी रचनात्मकता एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया गया।



शासित प्रदेशों के करीब 250 पदाधिकारी, शिक्षक और प्राचार्य शामिल होंगे। सम्मेलन का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षक

शिक्षा और विद्यालयी शिक्षण व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न राज्यों के अनुभव और सुझाव साझा करना है। सम्मेलन में

शिक्षकों के पेशेवर विकास, शिक्षण क्षमता से जुड़े मानकों और राष्ट्रीय मेट्रिंग मिशन (एनएमएम) के माध्यम से शिक्षकों को मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की व्यवस्था पर चर्चा होगी। पहले दिन एनसीटीई अध्यक्ष प्रो. पंकज अरोड़ा प्रतिभागियों से रूबरू होंगे। तकनीकी सत्रों में एनपीएसटी के डिजिटल पोर्टल और पुस्तिका का प्रदर्शन किया जाएगा।

दूसरे दिन राष्ट्रीय मेट्रिंग मिशन पर विशेष सत्र आयोजित होगा। इसमें एनएमएम पोर्टल का प्रदर्शन किया जाएगा। विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधि समूह चर्चा में अपने अनुभव और सुझाव साझा करेंगे। सम्मेलन में चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

स्तन कैंसर के उपचार में नई राह दिखा रहीं आधुनिक सर्जरी की तकनीकें

गोरखपुर , एजेंसी। स्तन कैंसर का इलाज अब केवल कैंसरग्रस्त स्तन को हटाने तक सीमित नहीं है। आधुनिक चिकित्सा तकनीकों की मदद से कई मरीजों में स्तन को सुरक्षित रखते हुए सर्जरी करना संभव है। बीमारी की सही पहचान, कैंसर की अवस्था, ट्यूमर की प्रकृति और उपचार के प्रति मरीज की प्रतिक्रिया के आधार पर इलाज की रणनीति तैयार की जाती है। इसी दिशा में चिकित्सकों को नवीनतम जानकारी से जोड़ने के लिए एम्स गोरखपुर के सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग की ओर से शनिवार को अंतरराष्ट्रीय स्तन कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर ‘अपडेट्स ऑन ब्रेस्ट कैंसर’ विषय पर सीएमईएवं सर्जिकल कॉन्वलेव का आयोजन किया गया। पांच मॉड्यूल में आयोजित इस कार्यक्रम में जांच से लेकर सर्जरी और आधुनिक दवाओं तक के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि एवं संस्थान की कार्यकारी निदेशक और सीईओ मेजर जनरल (डॉ.) विभा दत्ता ने किया। उन्होंने कहा कि स्तन कैंसर भारतीय महिलाओं में सबसे अधिक पाया जाने वाला कैंसर है। समय पर पहचान और प्रमाण-आधारित उपचार से अनेक जीवन बचाए जा सकते हैं। आयोजन अध्यक्ष एवं सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग के अपर आचार्य व विभागाध्यक्ष डॉ. गौरव गुप्ता ने स्वागत भाषण में कहा कि स्तन कैंसर को उपचार सटीक निदान, स्तन-संरक्षण और ऑन्कोप्लास्टिक सर्जरी तथा मरीज की जरूरत के अनुसार दवाओं के चयन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके लिए सर्जन, रेडियोलॉजिस्ट, पैथोलॉजिस्ट और ऑन्कोलॉजिस्ट के बीच समन्वय जरूरी है। आयोजन सचिव एवं विभाग के सह-आचार्य डॉ. हरिकेश यादव ने उद्घाटन व्याख्यान में आधुनिक स्तन सर्जरी के विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने रेडिकल सर्जरी के साथ घर के बचाने वाली ऑन्कोप्लास्टिक तकनीकों तक हुए बदलाव और बगल के लिम्फ नोड्स की सर्जरी को सीमित करने की दिशा में हुई गति की जानकारी दी।

जांच से बीमारी की प्रकृति समझने तक की जानकारी पहले मॉड्यूल में एनार्टीमी विभाग के डॉ. चेतन साहनी ने स्तन, पेक्टोरल क्षेत्र और बगल की सर्जिकल संरचना समझाई। फिजियोलॉजी विभाग की डॉ. संगीता गुप्ता ने एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन जैसे हार्मोनों की भूमिका तथा स्तन कैंसर से उनके संबंध पर जानकारी दी। डॉ. गौरव गुप्ता ने स्तन कैंसर के लक्षणों और विलनिकल जांच की मानक विधि का प्रदर्शन किया। दूसरे मॉड्यूल में रेडियोडायग्नोसिस के प्रो. आनंद हटगांवकर और पैथोलॉजी विभाग की डॉ. काजल हटगांवकर ने ट्रिपल असेसमेंट की प्रक्रिया समझाई।

यूपी पीईटी परीक्षा के दौरान सख्ती, जूते उतरवाकर चेकिंग; अभ्यर्थियों के हाथ से कलावे भी कटवाए



छात्राओं की जांच के बाद प्रवेश दिया गया।

परीक्षा उत्तर प्रदेश में विभिन्न सरकारी पदों पर भर्ती की प्रक्रिया के लिए महत्वपूर्ण है। इस परीक्षा में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में अभ्यर्थी तैयारी करते हैं। ऐसे में परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश के दौरान की गई सख्त जांच चर्चा का विषय रही।

राजधानी में परीक्षा के लिए 45 केंद्र बनाए गए हैं। दोनों पालियों को मिलाकर करीब 38 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। पहली पाली सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 03 से शाम 05 बजे तक होगी। परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए 317 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

चौकाघाट से नमो घाट के बीच नहीं चलेंगे ई-रिक्शो, वीवीआईपी आगमन से एक घंटे पहले थमेंगे पहिये

वाराणसी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काशी आगमन के मद्देनजर रविवार को यातायात पुलिस ने रूट डायवर्जन जारी किया है। शहर के कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा और यातायात डायवर्जन लागू होगा। चौकाघाट चौराहे से गोलगड्डा और राजघाट तक ऑटो व ई-रिक्शा नहीं चलेंगे। सूजाबाद (पडवत) से चौकाघाट की तरफ ऑटो व ई-रिक्शा व दो-पहिया वाहन बंद रहेंगे। राजघाट पुल और सूजाबाद की तरफ से सुबह सात बजे से सप्ताह मालवाहक वाहनों का संचालन बंद रहेगा। रविवार को वीवीआईपी आगमन व प्रस्थान से एक घंटे पहले राजघाट पुल पर वाहनों और पैदल यात्रियों का आवागमन भी प्रतिबंधित रहेगा। वीवीआईपी आगमन और



प्रस्थान से एक घंटा पहले कई तिराहों-चौराहों से वाहनों को वैकल्पिक मार्गों पर मोड़ा जाएगा। इनमें गिलट बाजार, सेंट्रल जेल तिराहा, संदहा अंडरपास, पांडेयपुर चौराहा, लहरतारा, अंधरापुल और गोलागड्डा शामिल हैं।

अपर पुलिस उपायुक्त यातायात अंशुमान मिश्रा ने बताया कि हरहुआ ओवरब्रिज बाबतपुर की तरफ से आने वाली सभी रोडवेज व प्राइवेट बसों को वीवीआईपी आगमन से तीन घंटे पूर्व से कार्यक्रम समाप्ति तक ओवरब्रिज पर नहीं जाने दिया जाएगा। इन्हें हरहुआ रिंग रोड चौराहे की तरफ डायवर्ट किया जाएगा।

जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, चंदौली, प्रयागराज, सोनभद्र, मिर्जापुर और भदोही की ओर से आने वाली सभी बसों का शहर में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इन बसों को हरहुआ

रिंग रोड, ठिकाना ढाबा मोहनसराय और परमानपुर, सजोई अंडरपास जैसे निर्धारित सीमा व रिंग रोड पाइंट से वापस भेजा जाएगा।

सुबह आठ बजे से वीवीआईपी कार्यक्रम की समाप्ति तक ऑटो और ई-रिक्शो का संचालन भी प्रतिबंधित रहेगा। यह प्रतिबंध कचहरी आंबेडकर चौराहा, जेपी मेहता तिराहा, सर्किट हाउस, भोजुबीर, यूपी कॉलेज, गिलट बाजार तिराहा और पुलिस लाइन से पांडेयपुर तक लागू होगा। चौकाघाट चौराहे से गोलगड्डा और राजघाट तक भी ऑटो व ई-रिक्शो नहीं चलेंगे।

सुबह से शाम तक खुलेंगे अस्पताल, इलाज के साथ जांच की भी मिलेगी सुविधा एयर शो के दौरान रविवार को भीड़ बढ़ने की संभावनाओं को देख जिले के सरकारी

और निजी अस्पताल सामान्य दिनों की तरह खुले रहेंगे। ओपीडी, इमरजेंसी में भी डॉक्टर बैठे रहेंगे। एकसरे, अल्ट्रासाउंड, खून जांच केंद्र के साथ ही दवा काउंटर भी खुले रहेंगे। सीएमओ डॉ. एनपी सिंह ने बताया कि हस्तुत पड़ने पर सभी को स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिलेगा। शनिवार को नमो घाट पर बीमार बच्चे रोहन (9) को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर एंबुलेंस से अस्पताल में भर्ती कराया गया।

वाराणसी सहित आसपास के जिलों से कुछ लोग शनिवार की देर रात तक वाराणसी पहुंच गए। दो दिन के एयर शो के दौरान 142 लोगों का उपचार किया गया। सीएमओ ने लोगों से पर्याप्त पानी पीते रहने, धूप और गर्मी से बचने के लिए छाता ले जाने, अस्वस्थ महसूस होने पर तत्काल शिविर में संपर्क करने की अपील की है।

संक्षिप्त

समाचार

नेपाल में 4 हिमतालों का जलस्तर घटाने और 6 नदी बेसिन में पूर्व चेतावनी प्रणाली विस्तार की योजना

काठमांडू. नेपाल सरकार ने बाढ़ के जोखिम को कम करने के लिए चार हिमतालों का जलस्तर घटाने और छह नदी बेसिन में पूर्व चेतावनी प्रणाली का विस्तार करने की योजना आगे बढ़ाई है। ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिंचाई मंत्रालय के अंतर्गत जलविज्ञान तथा जलस्रोत अनुसंधान केंद्र और मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को अलग-अलग श्वेतपत्र सार्वजनिक किए हैं। श्वेतपत्रों में हिमतालों से आने वाली बाढ़ के जोखिम को कम करने, मौसम पूर्वानुमान में सुधार करने और जोखिम वाले समुदायों तक समय पर सूचना पहुंचाने से जुड़े कार्यक्रम शामिल किए गए हैं। इन श्वेतपत्रों में उपकरणों की संख्या बढ़ाने से लेकर मौसम पूर्वानुमान के लिए आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल तक के कार्यक्रम शामिल हैं। इनके कार्यान्वयन में बजट की निरंतर उपलब्धता, कुशल जनशक्ति और उपकरणों के नियमित रखरखाव को प्रमुख चुनौतियाँ के रूप में उल्लेख किया गया है। हिमतालों से जुड़े जोखिम को कम करने के लिए प्रस्तावित ‘ग्लोफ संजीवनी’ परियोजना के तहत मनांग जिले के तुलागी, संखुवासभा जिले के लोअर बरुण तथा सोलुखुम्बु जिले के लुम्दिंग छो और हांगु-2 हिमतालों का जलस्तर घटाने की योजना है। हिमताल के फटने से अचानक आने वाली बाढ़ को गंभीरतापूर्वक आउटवर्स्ट स्पष्ट कहा जाता है। इस तरह की बाढ़ से निचले इलाकों में रहने वाले समुदायों, बुनियादी ढांचे और जलविद्युत परियोजनाओं को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है।

ईरान पर अमेरिका कर सकता है हमला अंतरिम समझौता वार्ता टूटी

वाशिंगटन/ईरान. होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच एक बार फिर अमेरिका जल्द ही ईरान पर हमला करने पर विचार कर रहा है। उधर, ईरान ने अंतरिम समझौते के लिए बातचीत पर रुकावट के लिए अमेरिका को जिम्मेदार उद्घारया। इस बीच हूती के हमलों का दायरा बढ़ने के मद्देनजर अमेरिका ने कई देशों के अपने दूतावासों से कर्मचारियों को बुलाना शुरू कर दिया है। अल जजीरा और एफ्सओस की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि अमेरिका रविवार तक ईरान पर हमला करने पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन को या तो हमला (काम पूरा करना) पड़ सकता है या फिर तेहरान के साथ कोई समझौता हो सकता है। उधर, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजैकिदरार ने अंतरिम समझौते की बातचीत टूटने के लिए अमेरिका को जिम्मेदार उद्घारया है। उन्होंने अमेरिकियों को कायर बताया और कहा कि उन्होंने “सब कुछ बिगाड़ दिया है।” उन्होंने कहा कि बावजूद इसके तेहरान समझौता करने की कोशिश जारी रखे। अमेरिकी अधिकारियों को आशंका है कि यमन में ईरान समर्थित हथूी विद्रोही अपने हमलों का दायरा सऊदी अरब से आगे बढ़ाकर क्षेत्र के अन्य देशों तक फैला सकते हैं। सुरक्षा की इस अस्थिर स्थिति के बीच, ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल के फिर से सैन्य अभियान शुरू किए जाने की संभावना भी बनी हुई है। शुक्रवार को फ्लोरिडा में एक रैली के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, “हो सकता है कि हम एक और छोटा ‘ऑपरेशन एपिक फ्यूरी’ चलाएं।” इस सप्ताह की शुरुआत में विदेश विभाग ने रियाद में अमेरिकी दूतावास, जेद्दा और दहरमन में स्थित वाणिज्य दूतावासों से कर्मचारियों के परिवारों और गैर-जरूरी कर्मचारियों को वापस लौटाने का आदेश दिया। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को विभाग ने संयुक्त अरब अमीरात, लेबनान, कतर और जॉर्डन में स्थित अमेरिकी दूतावासों से भी अपने राजनिकी और सकाराी कर्मचारियों की संख्या कम करने का आदेश दिया। अधिकारी ने कहा, “हमने तय किया है कि हूती हमलों और ईरानी आतंकी साजिशों के खतरे को देखते हुए, हमें अपनी मौजूदगी कम करनी चाहिए और केवल जरूरी स्टाफ को ही रखना चाहिए।”

पहलगाम और गुलमर्ग में इस मौसम का पहला शून्य से नीचे का न्यूनतम तापमान दर्ज

श्रीनगर. पहलगाम और गुलमर्ग जैसे पर्यटन स्थलों पर इस मौसम का पहला शून्य से नीचे का न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है। यहां तापमान क्रमशः माइनस 0.3 डिग्री सेल्सियस और माइनस 0.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार पहलगाम में न्यूनतम तापमान माइनस 0.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि गुलमर्ग में यह माइनस 0.4 डिग्री सेल्सियस रहा। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 2.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि काजीगुंड में यह 0.0 डिग्री सेल्सियस रहा। कोकरनागा में न्यूनतम तापमान 3.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि जम्मू संभाग के बनिहाल में यह 3.7 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग ने रविवार को बताया कि 24 अक्टूबर को दर्ज किया गया अधिकतम तापमान अधिकोश स्टेशनों पर सामान्य से नीचे रहा। गुलमर्ग में सबसे अधिक तापमान सामान्य से 5.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। इसके बाद कोकरेनागा में सामान्य से 5.2 डिग्री सेल्सियस नीचे तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने 31 अक्टूबर तक पूरे जम्मू-कश्मीर में आम तौर पर शुष्क मौसम की भविष्यवाणी की है। 1 से 3 नवंबर तक मैदानी इलाकों में हल्की बारिश और ऊंचे स्थानों पर हल्की बर्फबारी के साथ आम तौर पर बादल छाए रहने की संभावना है।

पथराव कर ट्रेन मैनैजर को घायल करने के मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

अमेठी. अमेठी रेलवे स्टेशन के आउटर पर बीते दिनों दशहरे की शाम गुजर रही वाराणसी-लखनऊ इंटरसिटी एक्सप्रेस पर पथराव कर ट्रेन मैनैजर को घायल करने के मामले में जीआरपी प्रतापगढ़ ने रविवार को दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनों आरोपित अमेठी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत रायदेपुर गांव के निवासी हैं। पुलिस ने दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस उपाधीक्षक रेलवे प्रथम अमित कुमार सिंह ने बताया कि 20 अक्टूबर दशहरे की शाम को ट्रेन संख्या 24203 वाराणसी-लखनऊ इंटरसिटी एक्सप्रेस वाराणसी से लखनऊ जा रही थी। इसी दौरान अमेठी रेलवे स्टेशन के पूर्वी आउटर पर अज्ञात व्यक्तियों ने ट्रेन पर पथराव कर दिया। इस पथराव में ट्रेन मैनैजर हरिकेश कुमार घायल हो गए थे। घटना के संबंध में जीआरपी प्रतापगढ़ थाने में रेलवे अधिनियम की धारा 152 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए जीआरपी प्रभारी चंचल कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई थी। टीम ने कार्रवाई करते हुए आज प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन के वाराणसी छोर से दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। रेलवे उपाधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों को पहचान अनुभव सरोज (19) पुत्र मुखली सरोज और गणेश सरोज (20) पुत्र श्यामलाल,निवासी रायदेपुर, थाना कोतवाली अमेठी के रूप में हुई है। दोनों आरोपितों का अपराधिक इतिहास भी रहा है। गिरफ्तारी के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

घर के अंदर बक्से में बंद मिला सुरक्षाकर्म का शव

इटवा। उत्तर प्रदेश के इटावा जनपद में सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत कांशीराम कॉलोनी में सुरक्षाकर्म श्याम सुंदर (55) का शव उसके आवास के अंदर बक्से में बंद मिला। घर से बंदवू आने के बाद पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस ने ताला तोड़कर घर को बक्से के अंदर से बरामद किया है। सुरक्षाकर्म की बेटी लातात है। शयम दृष्टया पुलिस मृतक की छोटी बेटी को ही हत्यारोपित मानकर उसकी तलाश में जुट गई। सिविल लाइन थानाक्षेत्र के अंतर्गत कांशीराम कॉलोनी में रहने वाले सुरक्षाकर्म श्याम सुंदर की शारीर्युद्धा बड़ी बेटी काजल ने बताया कि उसे पुलिस से पता चला कि उसके पिता की हत्या हो गई है। चार दिन पहले उसकी पिता से बातचीत हुई थी। पिता के साथ छोटी बहन पुष्पा रहती थी, लेकिन वह भी गायब है। इसलिए उसे शक है कि पुष्पा ने ही किसी के साथ मिलकर पिता की हत्या की है और फरार हो गई है। पड़ोसी युवक वारसी ने बताया कि रविवार को बंदवू आने के बाद पुलिस को सूचना दी गई है तब पुलिस ने आन्कर घर का ताला तोड़कर देखा तो अंदर से बक्से के अंदर से श्याम सुंदर की लाश मिली। मृतक की दूसरी पत्नी जो दो ढाई साल पहले अलग होकर रह रही थी। एएपी सिटी विनिता सिंह ने बताया कि सुरक्षा कर्म के शव मिलने की सूचना के बाद पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं। शव को गर्म कपड़ों में लपेटकर बक्से में बंद किया गया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच की जा रही है।

बिहार फाउंडेशन, कोलकाता चैप्टर ने IMC गया के शुभारंभ एवं बिहार बिजनेस कनेक्ट 2027 के कार्यक्रम में की सहभागिता

कोलकाता. बिहार फाउंडेशन, कोलकाता चैप्टर ने बिहार इंटीग्रेटेड मैन्यूफैक्चरिंग सिटी, गया (IMC Gaya) के औपचारिक शुभारंभ एवं बिहार बिजनेस कनेक्ट 2027 के कार्यक्रम में वचुअल माध्यम से सहभागिता की। यह पहल बिहार में औद्योगिक विकास, निवेश आकर्षित करने तथा रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस कार्यक्रम में बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी तथा माननीय उद्योग मंत्री सुश्री श्रेयसी सिंह जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। बिहार फाउंडेशन, कोलकाता चैप्टर की ओर से अध्यक्ष श्री निशांत कुमार सिंह के नेतृत्व में उपाध्यक्ष श्री सुखदेव महतो, सचिव श्री प्रेम सुमन, बैठक संयोजक श्री सचिन कुमार सिंह, सदस्यता एवं जनसंपर्क समिति के संयोजक श्री अमित कुमार सिंह सहित अन्य सदस्यों ने सहभागिता की। इस अवसर पर चैप्टर के अध्यक्ष श्री निशांत कुमार सिंह ने बिहार के औद्योगिक विकास को पश्चिम बंगाल के व्यापारिक एवं निवेश नेटवर्क से जोड़ने के महत्व पर



बल दिया। उन्होंने कहा कि कोलकाता चैप्टर पश्चिम बंगाल के उद्योगपतियों, निवेशकों, MSME संगठनों, पेशवरों तथा प्रवासी बिहारियों को बिहार में उभर रहे व्यावसायिक अवसरों से जोड़ने के लिए एक प्रभावी सेतु के रूप में कार्य करने का प्रयास करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार और पश्चिम बंगाल के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने, संभावित निवेशकों तक बिहार की औद्योगिक संभावनाओं की जानकारी पहुंचाने तथा दोनों राज्यों के

बीच औद्योगिक सहयोग को प्रोत्साहित करने में बिहार फाउंडेशन के चैप्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। श्री सिंह ने बिहार सरकार की औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और आर्थिक प्रगति की परिकल्पना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि बिहार फाउंडेशन, कोलकाता चैप्टर भविष्य में भी सक्रिय संपर्क, समन्वय और सहयोग के माध्यम से बिहार की विकास यात्रा में सार्थक योगदान देने के लिए तत्पर रहेगा।

ट्रैक्टर की टक्कर से मां-बेटे योगी सरकार का बिजली व्यवस्था के लगातार आधुनिकीकरण पर जोर, बिजनेस प्लान 2026-27 के कार्य तेज

एजेंसी, महोबा

उत्तर प्रदेश के महोबा जनपद से गुजरे बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे की सर्विस रोड पर रविवार को तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार मां-बेटे समेत तीन लोगों की मौत हो गई।

हमीरपुर जनपद के थाना मौदहा के पाटापुर गांव निवासी विमला (45) अपनी बहन मध्य प्रदेश के चंदला थाना क्षेत्र के वंशिथा गांव निवासी कमला (40) के साथ मायके जमपद के खरेला थाना क्षेत्र के बरायं गांव आई थीं। रविवार दोपहर विमला अपने पुत्र कपिल (18) और बहन कमला समेत अन्य परिवजनों के साथ घास रिवाई भाई वरदानी के पुत्र का मुंडन कराने गई थीं। शाम लगभग चार बजे कपिल अपनी मां और मौसी को लेकर बाइक से वापस अपने घर लौट रहे थे।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के सर्विस रोड पर पुनियां-गहरोली मोड़ के पास



ग्राम गहरोली की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर से तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची खरेला पुलिस ने तीनों को सीएचसी पहुंचाया, जहां हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां चिकित्सक ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, घटना के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया है। खरेला थाना प्रभारी नन्हैलाल यादव ने बताया कि मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है। चालक को जल्द गिरफ्तार किया कर लिया जाएगा।

पूर्व सैनिकों का सम्मान और उनका कल्याण हमारी परम्परा: राज्यपाल

एजेंसी, जयपुर

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि पूर्व सैनिकों का सम्मान और उनका कल्याण हमारी परम्परा और संस्कृति है। उन्होंने देश की सुरक्षा और संप्रभुता बनाए रखने में भारतीय सेना के जवानों और पूर्व सैनिकों के योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि सेवानिवृत्त होने के बाद भी सैनिक अपने अनुशासन, अनुभव और नेतृत्व क्षमता से बहुत से स्तरों पर राष्ट्र विकास में सहयोग दे रहे हैं। समाज में एकता, सहयोग और स्थिरता में भी उनकी महती भूमिका है। बागडे रविवार को जिला पूर्व सैनिक संघ, जयपुर द्वारा आयोजित ‘जयपुर डिस्ट्रिक्ट एक्स सर्विसेज लीग’ संगठन के गोल्डन जुबली स्विस्सेज समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों के सम्मान के लिए भारत सरकार ने लम्बे समय से लंबित ‘वन रैंक वन पेंशन’ योजना लागू करके उनको अधिकार देने का महती कार्य किया है। राजस्थान में भी पूर्व सैनिकों और वीरगंगाओं के सम्मान, सुरक्षा और पेंशन लाभों में निरंतर वृद्धि की गई है। एक्स सर्विसमेन

महाराष्ट्र को वैश्विक आभूषण निर्माण और निर्यात केंद्र बनाएगा इंडिया ज्वेलरी पार्क : फडणवीस

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मुंबई की ‘इंडिया ज्वेलरी पार्क’ परियोजना राज्य को वैश्विक आभूषण निर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आधुनिक तकनीक, कुशल कारीगरों, मजबूत कारोबारी नेटवर्क और अनुकूल औद्योगिक वातावरण के चल पर महाराष्ट्र वैश्विक आभूषण उद्योग में अपनी अलग पहचान बना सकता है।

मुख्यमंत्री फडणवीस रविवार को नवी मुंबई के महापे स्थित टीटीसी औद्योगिक क्षेत्र में ‘इंडिया ज्वेलरी पार्क, परियोजना के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मुंबई और महाराष्ट्र अपनी व्यावसायिक क्षमता, कुशल मानव संसाधन, उद्यमिता और पेशेवर कार्रगैरीली के लिए दुनियाभर में पहचाने जाते हैं। राज्य में अनुभवी कारीगरों, उद्यमियों और व्यापारिक

एजेंसी, लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को अधिक सुदृढ़, आधुनिक और भरोसेमंद बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। बिजनेस प्लान वर्ष 2026-27 के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जनपदों में बिजली उपकेंद्रों के सुदृढ़ीकरण, केबल बिछाने और विद्युत बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने का कार्य प्राति पर है। इन कार्यों का उद्देश्य बिजली वितरण प्रणाली की क्षमता बढ़ाने के साथ उपभोक्ताओं को सुरक्षित, सुचारु और निबंध बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराना है।

इसी क्रम में उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) की टीमें प्रदेशभर में रात्रिकालीन मंटेनेंस कार्यों को अंजाम दे रही हैं। बिजली लाइनों, उपकरणों और वितरण नेटवर्क के नियमित रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि बिजली व्यवस्था



को बेहतर बनाए रखा जा सके। रात के समय किए जा रहे अनुरक्षण कार्यों के माध्यम से विद्युत ढांचे को मजबूत करने और आपूर्ति व्यवस्था की विश्वसनीयता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

पांचों डिस्कों में बिजली लाइनों और उपकरणों के रखरखाव पर जोर: पूर्वांचल, पश्चिमांचल, मध्यांचल, दक्षिणांचल और केरकों के विभिन्न जनपदों में विभागीय टीमें सक्रिय हैं। बिजली लाइनों और उपकरणों की जांच, मरम्मत तथा अन्य आवश्यक अनुक्षण कार्यों के जरिए वितरण तंत्र को दुरुस्त किया जा रहा है। विभाग का जोर इस बात पर है

पूर्वोत्तर में ‘नाको-कार्टेल’ पर बड़ी कार्रवाई के बाद गृहमंत्री शाह का तस्करों को कड़ा संदेश

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह ने केंद्रीय जांच एजेंसियों तथा असम, मिजोरम और मणिपुर पुलिस बल के संयुक्त सफल ऑपरेशन की सराहना की और कड़ा संदेश दिया कि अंतरराष्ट्रीय सीमाओं का फायदा उठाकर भारत की युवा पीढ़ी को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी गिरोह को बख्शा नहीं जाएगा।

अमित शाह ने आज एक्स पर लिखा, “केंद्र की मोदी सरकार ने नशीले पदार्थों और अवैध नेटवर्क के खिलाफ अपनी ‘जिरो टॉलरेंस’ नीति के तहत ‘ऑपरेशन ट्राइडेंट’ चलाकर अंतरराष्ट्रीय नाको-कार्टेल (तस्कर गिरोह) को करारा झटका दिया है। 23 अक्टूबर को केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों और राज्य पुलिस बलों के संयुक्त अभियान में असम, मिजोरम और मणिपुर के 38 विभिन्न ठिकानों पर एक साथ ताबडुल्लो छापेमारी की गई। इस कार्रवाई में तस्कर गिरोह के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया गया है। ‘ऑपरेशन ट्राइडेंट’ के दौरान जांच एजेंसियों के हाथ कई चौकाने वाले सबूत लगे हैं। लगभग 100 करोड़ रुपये के हवाला लेनदेन की जानकारी सामने आई है। नेटवर्क से



जुड़े 1,424 बैंक खातों को तत्काल प्रभाव से फ्रीज कर दिया गया है, जबकि 17.82 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त की गई है। छापेमारी के दौरान 500 डेटोनेटर और 12 लाख रुपये की नकदी बरामद की गई है। इस मामले में संलिप्त 18 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।” जांच अधिकारियों के अनुसार यह अंतरराष्ट्रीय नाको-सिंडिकेट ‘डेथ ट्रायंगल कॉरिडोर’ का इस्तेमाल कर भारत, म्यांमार और बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के जरिए नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी को अंजाम दे रहा था। यह समन्वित कार्रवाई 31 दिसंबर 2029 तक देश से नशीले पदार्थों के पूरे नेटवर्क को जड़ से खत्म करने के भारत सरकार के दृढ़ संकल्प का हिस्सा है। सरकार का स्पष्ट संदेश है कि जब तक नाको-कार्टेल का पूरी तरह खान्मा नहीं हो जाता, तब तक इस तरह के कड़े प्रहार जारी रहेंगे।

बिजली उपकेंद्रों के सुदृढ़ीकरण और केबल बिछाने का कार्य जारी बिजनेस प्लान 2026-27 और आरडीएसएस योजना से मजबूत होगा विद्युत ढांचा

कि उपभोक्ताओं को सुरक्षित और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने के साथ विद्युत व्यवस्था को सुचारु बनाए रखा जाए।

उपकेंद्रों का निरीक्षण, अधिकारियों ने दिए निर्देश: प्रदेश के विभिन्न जनपदों में बिजली अधिकारियों की ओर से उपकेंद्रों का निरीक्षण भी किया जा रहा है। इस दौरान बिजली आपूर्ति की स्थिति को समीक्षा कर संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। अधिकारियों को विद्युत उपकरणों के रखरखाव और व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने पर विशेष ध्यान

कटुआ की सूखी नहर में खंडित गणेश प्रतिमाएं, विसर्जन की व्यवस्था पर उठे सवाल

एजेंसी, कटुआ

कटुआ शहर के ड्रीम पार्क के पास स्थित नहर में गणेश उत्सव के दौरान विसर्जित की गई भगवान श्री गणेश की विशाल प्रतिमाएं पानी के अभाव में फंसी हुई हैं। करीब एक सप्ताह से नहर में पानी नहीं होने के कारण प्रतिमाएं सूखी नहर में पड़ी हैं। कई प्रतिमाएं खंडित अवस्था में दिखाई दे रही हैं जिससे श्रद्धालुओं में नाराजगी है। इस स्थिति को देखकर स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने धार्मिक आस्था के सम्मान तथा विसर्जन की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग उठाई है। गणेश चतुर्थी के अवसर पर कटुआ शहर में विभिन्न स्थानों पर भगवान श्री गणेश की विशाल प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। 12 दिनों तक विधि-विधान से पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने के बाद ढोल-नगाडों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई और ड्रीम पार्क के पास स्थित नहर में प्रतिमाओं का विसर्जन किया

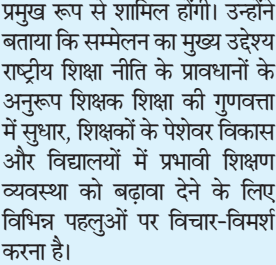


गया। हालांकि नहर में पानी का बहाव पर्याप्त न होने के कारण बड़ी प्रतिमाएं आगे नहीं बढ़ सकीं और वहीं फंस गईं। अब नहर में पानी नहीं होने से ये प्रतिमाएं खुले में पड़ी दिखाई दे रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं को श्रद्धा और विधि-विधान के साथ स्थापित किया जाता है। ऐसे में पूजा-अर्चना के बाद विसर्जन की प्रक्रिया भी पूरी श्रद्धा और सम्मान के साथ होनी चाहिए।

आगरा में 27 और 28 अक्टूबर को राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर मंथन, 300 शिक्षक और शिक्षाविद होंगे शामिल

एजेंसी, आगरा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षकों के पेशेवर मानकों, शिक्षण क्षमता और विद्यार्थी शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से आगरा में 27 और 28 अक्टूबर को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के करीब 300 शिक्षक, प्राचार्य और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि भाग लेंगे। सम्मेलन के संयोजक प्रोफेसर मनु प्रताप सिंह ने रविवार को बताया कि कार्यक्रम का आयोजन आगरा विश्वविद्यालय के खंदारी परिसर स्थित शिवाजी मंडपम में किया जाएगा। इसमें उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल



प्रमुख रूप से शामिल होंगी। उन्होंने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के अनुरूप शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, शिक्षकों के पेशेवर विकास और विद्यालयों में प्रभावी शिक्षण व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करना है।

प्रोफेसर सिंह के अनुसार, सम्मेलन के पहले दिन 27 अक्टूबर को एनसीटीई के अध्यक्ष प्रोफेसर पंकज अरोड़ा प्रतिभागियों से संवाद करेंगे। इस दौरान चार तकनीकी

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन- राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी शिरकत, शिक्षकों के पेशेवर विकास और राष्ट्रीय मेंटरिंग मिशन पर होगी चर्चा

सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें शिक्षक शिक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ अध्ये विचार रखेंगे। इन सत्रों में शिक्षा संबंधी डिजिटल पोर्टल और पुस्तिका का प्रदर्शन भी किया जाएगा। प्रतिभागियों को शिक्षण व्यवस्था में सुधार और आधुनिक तकनीक के उपयोग से जुड़ी जानकारी दी जाएगी। सम्मेलन के दूसरे दिन 28 अक्टूबर को राष्ट्रीय मेंटरिंग मिशन (एनएमएम) पर विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। इसमें शिक्षकों के मार्गदर्शन, पेशेवर विकास और शिक्षण क्षमता बढ़ाने में शिक्षा की भूमिका को

विस्तार से चर्चा होगी। इस अवसर पर एनएमएम पोर्टल का प्रदर्शन किया जाएगा। प्रतिभागियों को पोर्टल की कार्यप्रणाली और इसके माध्यम से शिक्षकों को उपलब्ध कराई जाने वाली मार्गदर्शन संबंधी सुविधाओं की जानकारी दी जाएगी। सम्मेलन में चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख से करीब 300 प्रतिनिधियों के भाग लेने की संभावना है। इनमें शिक्षक, प्राचार्य और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े अन्य प्रतिनिधि शामिल होंगे।

शास्त्री ने यह भी कहा कि न्यूजीलैंड दौरा भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण बेंचमार्क होगा। यह दौरा उनकी अपनी क्षमताओं को आंकने का मौका देगा, खासकर जब दक्षिण अफ्रीका 2027 में एकदिवसीय वर्ल्ड कप की मेजबानी करने वाला है क्योंकि वहां की परिस्थितियां भी अक्सर तेज गेंदबाजों के लिए प्रचलित के रोडमैप पर अपनी बात रखने के अलावा, रवि शास्त्री ने अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की टीम इंडिया में वापसी पर भी अपनी याद व्यक्त की। पूर्व कोच का मानना है कि भुवनेश्वर ने अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के दम पर टीम इंडिया में वापसी की है और यह जल्द ही टेस्ट और एकदिवसीय स्तरों में भी अपनी जगह फिर से बना सकत है। शास्त्री ने इस बात पर जोर देते हुए कहा, अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता है।

